● जयपुर, बुधवार 18 दिसंबर 24 ● वर्ष 14 ● अंक 104 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
अजमेर, सीकर, झुंझुनूं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''
● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 जोबनेर थाना इलाके में हुई 1.96 लाख की लूट के मामले में एक आरोपी पकड़ा, स्विफ्ट...

पेज @4 जयपुर स्मार्ट सिटी के सीईओ अरुण हसीजा ने नगरीय विकास एवं स्वायत...

पेज @8 भाजपा नेता देश को गुमराह करने का खेल खेल रहे हैं : डोटासरा...

संशोधित,पार्वती-कालीसिंध-चम्बल परियोजना से राजस्थान बनेगा 'सुजलाम सुफलाम'

राज्य सरकार का एक वर्ष पूरा होने पर ऐतिहासिक राज्य स्तरीय समारोह का हुआ भव्य आयोजन

डबल इंजन सरकार राजस्थान के विकास मेंकोई कसर बाकी नहीं रखेगीः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा आज का दिनः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर, 17 दिसम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि राजस्थान में बन रहा आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर वर्तमान और भावी पीढ़ी के लिए विकसित राजस्थान बनाने का संकल्प पूरा करेगा। उन्होंने कहा किसंशोधितपार्वती-कालीसिंध-चम्बल परियोजना राजस्थान को सुजलाम सुफलाम बनाने की परियोजना हैप्रधानमंत्री मोदी मंगलवार कोमुख्यमंत्रीभजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का एक वर्ष पूरा होने पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान विकसित होगा, तो भारत भी तेजी से विकसित होगा। आने वाले वर्षों में डबल इंजन की सरकार और तेज गति से काम करते हुए राजस्थान के विकास के लिए कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ेगी।

● सवा तीन करोड़ लोगों को मिलेगा पीने का पानी

शर्मा ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना से राजस्थान के 21 जिलों में रहने वाले लगभग सवा तीन करोड़ लोगों को सुलभ पेयजल की उपलब्धता के साथ साथ लगभग ढाई लाख हैक्टयर नये क्षेत्र में सिंचाई तथा लगभग डेढ़ लाख हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हेतु अतिरिक्त पानी की व्यवस्था हो सकेगी। साथ ही इन जिलों में स्थापित होने वाले उद्योगों को भी आवश्यकता के अनुरूप पानी मिल सकेगा।

● सुशासन की धरोहर को समृद्ध बना रही भजनलाल सरकार

प्रधानमंत्री ने राज्य सरकार का एक साल पूरा होने पर बहुत-बहुत बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा और उनकी टीम ने राजस्थान के विकास को नई गति, नई दिशा देने का काम किया है। साथ ही, उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. भैरों सिंह शेखावत के विजन को सराहा।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज देश में डबल इंजन की सरकारें सुशासन की गारंटी हैं। वे हर संकल्प को पूरा करने का ईमानदारी से प्रयास करती हैं। तभी एक के बाद एक राज्यों में आज डबल इंजन की सरकारों को इतना समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि देश ने लोकसभा में लगातार तीसरी बार हमें जनादेश दिया है बीते 60 सालों में ऐसा पहली बार हुआ है।

● पूर्ववर्ती सरकार ने युवाओं के साथ किया अन्याय

प्रधानमंत्री ने राज्य सरकार के कामकाज की सराहना करते हुए कहा कि बीते एक वर्ष के दौरान राजस्थान में गरीबों, महिलाओं, श्रमिकों, कुशल कारीगरों और घुमंतू परिवारों के लिए अनेक फैसले लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि नौजवानों के साथ यहां की पूर्ववर्ती सरकार ने बहुत अन्याय किया था। पेपरलीक और भर्तियों में घोटाला राजस्थान की पहचान बन चुकी थी। वर्तमान सरकार में इसकी जांच शुरु हुई और कई गिरफ्तारियां भी हुई। उन्होंने कहा कि राजस्थान में एक साल में हजारों भर्तियां निकाली हैं और पूरी पारदर्शिता से परीक्षाएं व नियुक्तियां हो रही हैं।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राजस्थान वासियों को पहले बाकी राज्यों की तुलना में महंगा पेट्रोल-डीज़ल खरीदना पड़ता था। हमारी सरकार बनते ही लोगों को राहत मिली। उन्होंने कहा कि पीएम किसान निधि योजना के तहत राजस्थान सरकार भी अतिरिक्त पैसे जोड़कर किसानों की मदद कर रही है।

● जल विवाद को बढ़ावा देने पर रहा पुरानी सरकारों का ध्यान

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते दस साल से केंद्र सरकार ने जो काम करके दिखाया है वह आजादी के बाद के 5-6 दशकों में नही हो सका था। उन्होंने कहा कि राजस्थान के कई क्षेत्रों में भयंकर सूखा पड़ता है वहीं दूसरी तरफ कुछ क्षेत्रों में हमारी नदियों का पानी बिना उपयोग के ऐसे ही समंदर में बह जाता है। ऐसी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ही अटल जी ने नदियों को जोड़ने का विजन रखा था। इससे बाढ़ और सूखा दोनों समस्याओं का समाधान संभव था। उन्होंने कहा कि पुरानी सरकारों का ध्यान समाधान के बजाय राज्यों के बीच जल विवाद को बढ़ावा देने पर रहा, राजस्थान को इस कुनीति के कारण बहुत कुछ भुगतना पड़ा। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को भी इसी कारण लटकाया गया।

● हमारी नीति विवाद नहीं संवाद, व्यवधान नहीं बल्कि समाधान की

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि किसानों के नाम पर बड़ी-बड़ी बातें करने वाले लोग किसानों के लिए न खुद कुछ करते हैं और ना दूसरों को करने देते हैं, जबकि हमारी नीति, विवाद की नहीं संवाद की है। हम विरोध में नहीं, सहयोग में विश्वास करते हैं। हम व्यवधान में नहीं, समाधान पर यकीन करते हैं और इसीलिए हमारी सरकार ने ईआरसीपी को स्वीकृत करने के साथ इसका विस्तार भी किया।

● सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा आज का दिनः- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर.पाटिल, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार प्रकट करते हुए कहा कि संशोधित पीकेसी परियोजना पर एमओए के चलते आज का दिन सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में डबल इंजन की सरकार आमजन की हर आकांक्षा को पूरा करने एवं राज्य को प्रगति पथ पर तेजी से आगे ले जाने के लिए पूरी लगन एवं गम्भीरता के साथ कार्य कर रही है।

● किसानों को 5600 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने 70 लाख से अधिक किसानों को लगभग 5 हजार 6 सौ करोड़ रुपये की राशि सीधे ही उनके खातों में हस्तान्तरित की है। पशुपालक किसानों के लिए मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना एवं मोबाइल पशु चिकित्सा युनिटों की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि मातृवंदन योजना के तहत पहले साल में ही साढ़े चार लाख महिलाओं को सहायता देने के साथ, एक हजार नये आंगनबाड़ी केन्द्र खोलने, आंगनबाड़ी केन्द्रों पर दूध वितरण हेतु अमृत आहार योजना तथा बेटियों के उज्जवल भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए लाडो प्रोत्साहन योजना शुरू की गई हैं। मुख्यमंत्री ने हाल ही में राज्य के ग्रामीण इलाकों में रह रहे जरूरतमंद लोगों के लिए 3 लाख 41 हजार घरों की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का धन्यवाद भी ज्ञापित किया।

● एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का मार्ग प्रशस्त

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आज एक ही दिन में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इसमें 46 हजार करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण हुआ है एवं लगभग 58 हजार करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों के टेण्डर जारी हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की प्रेरणा से कर्मभूमि से मातृभूमि कार्यक्रम के तहत राजस्थान के लगभग 45 हजार गांवों में भूजल पुनर्भरण हेतु रिचार्ज वैल बनाने के महत्वपूर्ण कार्यक्रम की शुरुआत भी हुई है। मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान के तहत एक लाख से अधिक कार्यों को सरकार बनते ही शुरू कराया।

● इन परियोजनाओं का हुआ शिलान्यास

» 9416 करोड़ की लागत से कूल नदी पर रामगढ़ बैराज, पार्बती नदी पर महलपुर बैराज एवं चम्बल नदी पर जलसेतु (एक्वाडक्ट) सहित नवनेरा बैराज से बीसलपुर बांध तथा ईसरदा बांध में जल अपवर्तन तंत्र निर्माण।– 676 करोड़ रुपए की लागत सेधौलपुरसेभरतपुर–डीग–कुम्हेर–नगर–कामां और पहाड़ी तक पेयजल ट्रांसमिशन एवं चंबल– धौलपुर–भरतपुर रेट्रोफिटिंग का कार्य।2,522 करोड़ रुपए की लागत से सरकारी कार्यालय भवनों पर रूफटॉप सोलर संयत्रों की स्थापना।

» 1,200 करोड़ रुपए की लागत से पूगल (बीकानेर) में आरवीयूएनएल के 2000 मेगावाट सोलर पार्क का विकास 590 करोड़ रुपए की लागत से एक हजार मेगावॉट पूगल सोलर पार्क फेज प्रथम।– 588 करोड़ रुपए की लागत से एक हजार मेगावॉट पूगल सोलर पार्क फेज द्वितीय। – 1382 करोड़ रुपए की लागत से भड़ला –3 और बीकानेर –3 कॉम्पलेक्स के इन्टरकनेक्शन के लिए ट्रांसमिशन सिस्टम हेतु प्रसारण तंत्र का सद्दढीकरण।

» 13028 करोड़ रुपए की लागत से पावरग्रिड के राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी जोन से बिजली निकासी के लिये प्रसारण तंत्र हेतु विभिन्न फेज के 5 कार्य। – 5922 करोड़ रुपए की लागत से लूनी–समदड़ी–भीलड़ी रेलमार्ग, अजमेर–चंदेरिया (चित्तौडगढ़) रेलमार्ग एवं जयपुर–सवाई माधोपुर रेलमार्ग के दोहरीकरण का कार्य।

● इन परियोजनाओं का लोकार्पण

-1069 करोड़ रुपए की लागत से कालीसिंध नदी पर निर्मित नवनेरा बैराज- 764 करोड़ रुपए की लागत से स्मार्ट विद्युत ट्रांसमिशन नेटवर्क एवं असेट मैनेजमेन्ट सिस्टम का कार्यान्वयन- 5,039 करोड़ रुपए की लागत से पावरग्रिड के सोलर एनर्जी जोन से बिजली निकासी के लिये प्रसारण तंत्र सुदृढ़ीकरण के फेज-2 के 3 कार्य।- 1420 करोड़ रुपए की लागत से 8-लेन दिल्ली-वडोदरा ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसव के मेज नदी-एसएच-37 ए जंक्शन (पैकेज 12) खण्ड का लोकार्पण।1308 करोड़ रुपए की लागत से 4-लेन जोधपुर रिंग रोड डांगियावास-जाजीवाल (पैकेज-1) खण्ड का लोकार्पण।839 करोड़ रुपए की लागत से 6-लेन अमृतसर-जामनगर ग्रीनफील्ड इकोनॉमिक कॉरिडोर देवगढ़-राजस्थान/गुजरात सीमा (पैकेज 8) खण्ड का लोकार्पण। 602 करोड़ रुपए की लागत से भीलड़ी- समदड़ी-लूनी-जोधपुर-मेड़ता रोड-डेगाना-रतनगढ़ रेलमार्ग के विद्युतीकरण कार्य।

10 लाख परिवारों को नल कनेक्शन, एक हजार गांवों को सड़कों से जोड़ा

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने पहले साल में ही 10 लाख परिवारों को पेयजल कनेक्शन और दूर-दराज के एक हजार गांवों को नई सड़कों से जोड़ा है। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे फेज के अन्तर्गत प्रदेश के 1 हजार 700 गांवों, ढाणियों एवं मजरों को पक्की सड़क से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश को बढावा देने के लिए राईजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के आयोजन से 35 लाख करोड़ रूपये से अधिक के निवेश एमओयू सम्पादित किए गए हैं।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि संशोधित पीकेसी लिंक परियोजना (एकीकृत ईआरसीपी) के माध्यम से राजस्थान और मध्यप्रदेश के जिलों में तीन नदियों का पानी लाने में आधुनिक युग के भागीरथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अहम भूमिका है। डॉ.यादव ने कहा कि लंबे समय से इस योजना का विवाद न्यायालयों में चल रहा था, 20 वर्ष बीत जाने के बाद इसका समाधान हुआ है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश एक तरह से नदियों का मायका है। पार्वती, काली सिंध और चंबल का उद्गम भी मध्यप्रदेश से होता है। उन्होंने कहा कि 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक लागत की इस परियोजना में राज्य सरकारों पर मात्र 10 प्रतिशत ही वित्तीय भार आएगा और 90 प्रतिशत अंशदान केन्द्र सरकार देगीकेन्द्रीय जलशक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल ने कहा कि राजस्थान सरकार के लिए यह ऐतिहासिक दिन है, जब राज्य में पानी की किल्लत को दूर करने के लिए प्रधानमंत्री ने राज्य को ईआरसीपी के रूप में बड़ा तोहफा दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा देश में स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से 11 करोड़ शौचालय बनाए गए, जिससे 60 करोड लोगों को मदद मिली तथा जल जीवन मिशन के माध्यम से 15 करोड़ घरों को स्वच्छ पानी मिला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अनूठी संकल्पना 'कैच द रेन' से प्रेरित है। जन्मभूमि से कर्मभूमि अभियान में अब तक 3 लाख रैन वाटर रिचार्ज स्ट्रक्चर बनाए गए हैं, जो वर्षा का पानी संग्रहित कर भूमिगत पानी के स्तर को बढ़ाएंगे। 10 लाख रैन वाटर रिचार्ज बोर के लक्ष्य के साथ चलाया जा रहा यह अभियान जन भागीदारी से जन आंदोलन में परिवर्तित हो गया है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पार्वती नदी के जल से भरा कलश, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कालीसिंध नदी का जल कलश तथा केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटिल ने चंबल नदी का जल कलश प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को सौंपा जिन्हें उन्होंने रामसेतु जल संकल्प कलश मे प्रवाहित किया।मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी को भगवान श्रीनाथ जी की तस्वीर और जयपुर की ब्लू पॉटरी का शंख भेंट किया। समारोह में संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल परियोजना के लिए केन्द्र सरकार, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान के बीच हस्ताक्षरित मेमोरेण्डम ऑफ एग्रीमेंट प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर परियोजना पर आधारित लघु फिल्म भी दिखाई गई।

इस अवसर पर राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेम चंद बैरवा, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, मध्य प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद मदन राठौड़, पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे सहित राज्य मंत्रिपरिषद के सदस्य, सांसद, विधायक सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।प्रधानमंत्री ने इस समारोह में 46,365 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

● एमपीकेसी परियोजना से राजस्थान और मध्य प्रदेश के विकास में आएगी तेजी

प्रधानमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश और राजस्थान में हमारी सरकार बनने के बाद हुए संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल (एमपीकेसी) लिंक परियोजना से चंबल और इसकी सहायक नदियां पार्वती, कालीसिंध, कुनो, बनास, बाणगंगा, रूपरेल, गंभीरी और मेज जैसी नदियों का पानी आपस में जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूरा होने पर राजस्थान में विकास के लिए पर्याप्त पानी होगा। इससे राजस्थान और मध्य प्रदेश दोनों के विकास में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि ताजेवाला से शेखावाटी के लिए पानी लाने के समझौते से भी हरियाणा और राजस्थान दोनों राज्यों को फायदा होगा।

● देश में तीन करोड़ बहनें बनेंगी लखपति दीदी

प्रधानमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार सेल्फ हेल्प ग्रुप की तीन करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने पर काम कर रही है। करीब सवा करोड़ बहनें लखपति दीदी बन भी चुकी हैं। उन्होंने कहा कि बीते दशक में देश की 10 करोड़ बहनें सेल्फ हेल्प ग्रुप्स से जुड़ी हैं, इनमें राजस्थान की भी लाखों बहनें शामिल हैं। हमारी सरकार ने इन समूहों को बैंकों से जोड़ कर करीब 8 लाख करोड़ रुपए की मदद दी है। हमने इन्हें मिलने वाली मदद को बढ़ाकर 20 लाख रुपए करने के साथ ही महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप में बने सामानों के लिए नए बाजार उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने कहा कि नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत हजारों बहनें ड्रोन पायलट की ट्रेनिंग लेकर ड्रोन के माध्यम से खेती कर रही हैं, उससे कमाई भी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने बहनों-बेटियों के लिए बीमा सखी योजना भी शुरू की है जिसके तहत उन्हें प्रशिक्षण देकर बीमा के काम से जोड़ा जाएगा।

● हर परिवार, हर किसान बनेगा ऊर्जादाता

प्रधानमंत्री ने कहा कि राजस्थान सरकार यहां के किसानों को दिन में भी बिजली उपलब्ध करवाना चाहती है, ताकि उन्हें रात में सिंचाई की मजबूरी से मुक्ति मिले। इस उद्देश्य से राजस्थान में बिजली के क्षेत्र में अनेक समझौते यहां की सरकार ने किए हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में हर परिवार और हर किसान ऊर्जादाता होगा, तो बिजली से होने वाली कमाई से हर परिवार की आय बढ़ेगी। केंद्र सरकार ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना लाकर सौर ऊर्जा को बिजली बिल ज़ीरो करने का माध्यम भी बनाया है। घर की छत पर सौलर पैनल लगाने के लिए 78 हज़ार रुपए की मदद केंद्र सरकार दे रही है। अब तक देश के 1 करोड़ 40 लाख से ज्यादा परिवार इस योजना के लिए रजिस्टर करा चुके हैं और करीब 7 लाख लोगों के घरों में सोलर पैनल सिस्टम इंस्टाल भी किया जा चुका है। इसमें राजस्थान के भी 20 हज़ार से अधिक घर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पीएम कुसुम योजना के तहत खेत में सौर ऊर्जा प्लांट लगाने के लिए भी सरकार मदद दे रही है।

● सबसे कनेक्टेड राज्यों में होगा राजस्थान

प्रधानमंत्री ने समारोह में 46 हजार करोड़ रुपए से अधिक के प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण और शिलान्यास करते हुए कहा कि ये प्रोजेक्ट राजस्थान में पानी की चुनौती का स्थाई समाधान करेंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान को रोड, रेल और हवाई यात्रा में सबसे कनेक्टेड राज्य बनाना हमारा संकल्प है। दिल्ली, वडोदरा और मुंबई जैसे बड़े औद्योगिक केंद्रों को राजस्थान से जोड़ने वाला नया एक्सप्रेसवे देश के सर्वश्रेष्ठ एक्सप्रेस-वे में से एक होगा। जामनगर-अमृतसर इकोनॉमिक कॉरिडोर दिल्ली-कटरा एक्सप्रेस वे के माध्यम से राजस्थान को मां वैष्णो देवी मंदिर से जोड़ेगा दूसरी तरफ उत्तरी भारत के उद्योगों को कांडला और मुंद्रा बंदरगाहों से सीधा संपर्क मिलेगा। इसका फायदा राजस्थान में ट्रांसपोर्ट सेक्टर और यहां के युवाओं को रोजगार के रूप में मिलेगा। जोधपुर रिंग रोड से जयपुर, पाली, बाड़मेर, जैसलमेर, नागौर और अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से कनेक्टिविटी बेहतर होगी और शहर को अनावश्यक जाम से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने पचपदरा रिफाइनरी की राह में भी कई रोड़े अटकाए थे। अब ये रिफाइनरी यहां रोजगार और पेट्रोकेमिकल से जुड़े दूसरे उद्योगों को बढ़ावा देगी।

● 2 लाख सरकारी भर्तियों पर हुआ काम

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने पहले ही साल में युवा, किसान, महिलाओं एवं गरीबों के लिए कल्याणकारी कार्य किये हैं। लगभग 43 हजार युवाओं को पिछले एक वर्ष में सरकारी नौकरी दी गई है। हमारी सरकार लगभग 1 लाख 29 हजार सरकारी नौकरियों की प्रक्रिया पर तेजी से बढ़ रही है और लगभग 27 हजार भर्तियों की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जा रही है। इस प्रकार राज्य सरकार दो लाख भर्तियों पर काम कर राज्य के युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए पूरी गंभीरता से काम कर रही है।

घरेलू विवाद से दहेज के झूठे मामलों में उलझते पुरुष

जब वैवाहिक कलह के कारण घरेलू विवाद उत्पन्न होते हैं, तो अक्सर पति के परिवार के सभी सदस्यों को फंसाने की कोशिश की जाती है। अदालतों को दहेज उत्पीड़न के मामलों में कानून के दुरुपयोग को रोकने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए। उन्हें सतर्क रहना होगा कि कहीं कानून का दुरुपयोग कर पति के रिश्तेदारों को फंसया तो नहीं जा रहा। अदालतों को निर्दोष परिवार के सदस्यों को अनावश्यक परेशानी से बचाना चाहिए। पुरुषों के अधिकारों से तात्पर्य कानूनी और सामाजिक अधिकारों से है, जो ख़ासतौर पर पुरुषों के सामने आने वाली समस्याओं को सम्बोधित करते हैं। भारत में, जबकि महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देना जरूरी है, पुरुषों की चुनौतियों पर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता है, जैसे धारा 498ए आईपीसी के तहत घरेलू हिंसा के मामलों में झूठे आरोप, मानसिक स्वास्थ्य सहायता की कमी और सीमित पैतृक अधिकार। साझा पालन-पोषण कानूनों के इर्द-गिर्द हाल की बहसें लैंगिक न्याय के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता को उजागर करती हैं।

भारत में पुरुषों के अधिकारों को अक्सर लैंगिक समानता पर व्यापक चर्चा में कम ध्यान दिया जाता है। घरेलू दुर्व्यवहार के शिकार के रूप में पुरुषों को कानूनी मान्यता नहीं मिलती है, जिससे सुरक्षा की मांग करना या दुर्व्यवहार के मामलों की रिपोर्ट करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। जीवनसाथी द्वारा भावनात्मक, वित्तीय या शारीरिक शोषण के शिकार पुरुषों को सामाजिक कलंक का सामना करना पड़ता है और घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम, 2005 जैसे मौजूदा ढाँचों के तहत कानूनी सहारा नहीं मिलता है। पुरुषों से भावनाओं को दबाने की सामाजिक अपेक्षाएँ उनके मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करती हैं, जिससे आत्महत्या की दर और अनुपचारित मनोवैज्ञानिक समस्याएँ बढ़ती हैं। 2022 के एनसीआरबी के आंकड़ों से पता चलता है कि आत्महत्या के 72.5% मामले पुरुषों के हैं, जो लिंग-संवेदनशील मानसिक स्वास्थ्य नीतियों की आवश्यकता पर बल देता है। तलाक या अलगाव कानून मातृ हिरासत का पक्ष लेते हैं, पिता की भूमिका को हाशिए पर डालते हैं और बच्चे के पालन-पोषण में उन्हें समान अधिकारों से वंचित करते हैं। अभिभावक और वार्ड अधिनियम, 1890, मातृ हिरासत को प्राथमिकता देता है जब तक कि माँ को अयोग्य नहीं माना जाता है, जिससे माता-पिता की भागीदारी के लिए पिता के अवसर सीमित हो जाते हैं।

धारा 498ए (दहेज उत्पीड़न) जैसे लिंग-विशिष्ट कानूनों का कभी-कभी दुरुपयोग किया जाता है, जिससे निर्दोष पुरुषों को प्रतिष्ठा, वित्तीय और भावनात्मक नुक़सान होता है। राजेश शर्मा बनाम यूपी राज्य (2017) में, सुप्रीम कोर्ट ने धारा 498ए के दुरुपयोग को नोट किया और झूठे आरोपों के खिलाफ सुरक्षा उपाय पेश किए। पुरुषों के पास शिकायतों को दूर करने के लिए समर्पित संस्थान या हेल्पलाइन का अभाव है सामाजिक रूढ़िवादिता पुरुषों को अपराधी के रूप में चित्रित करती है, संस्थागत दृष्टिकोण को प्रभावित करती है और कार्यस्थल पर दुर्व्यवहार या यौन उत्पीड़न जैसे मामलों में उचित उपचार को सीमित करती है। विशाखा दिशा-निर्देश केवल महिलाओं के लिए कार्यस्थल पर उत्पीड़न को कवर करते हैं, जिससे पुरुष पीड़ितों को भारतीय कानून के तहत समान सुरक्षा नहीं मिलती है। यौन शोषण के वयस्क पुरुष उत्तरजीवी कानूनी ढांचे में अपरिचित रहते हैं, जिससे उन्हें वैधानिक उपचार या संस्थागत सहायता से वंचित रखा जाता है। उदाहरण के लिए, आईपीसी की धारा 375 बलात्कार को केवल एक महिला के दृष्टिकोण से परिभाषित करती है, जिससे यौन उत्पीड़न के पुरुष उत्तरजीवी बिना किसी सहारे के रह जाते हैं।

घरेलू हिंसा अधिनियम और आईपीसी की धारा 498ए जैसे मौजूदा कानूनों को संशोधित करके उन्हें लिंग-तटस्थ बनाया जाए, जिससे घरेलू हिंसा और झूठे आरोपों के खिलाफ पुरुषों के लिए समान सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। कनाडा और यूके जैसे देशों में घरेलू हिंसा कानून लिंग-तटस्थ हैं। साझा पालन-पोषण की अवधारणा ऑस्ट्रेलिया में अच्छी तरह से स्थापित है, जो हिरासत के निर्णयों में दोनों माता-पिता के लिए समान विचार को अनिवार्य बनाती है। जापान ने तनाव कम करने को लक्षित करते हुए कार्यस्थल मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम शुरू किए हैं, जिन्हें लिंग-विशिष्ट चिंताओं को शामिल करने के लिए अनुकूलित किया जा सकता है। केरल में पुलिस के लिए नियमित संवेदीकरण कार्यशालाओं के परिणामस्वरूप लिंग-आधारित शिकायतों का अधिक संतुलित संचालन हुआ है। संगठनों को समावेशी कार्यस्थल नीतियों को बाध्यकारी किया जा सकता है जो पितृत्व अवकाश, पुरुषों द्वारा सामना किए जाने वाले यौन उत्पीड़न और मानसिक स्वास्थ्य सहायता जैसे मुद्दों को सम्बोधित करती हैं। स्वीडन की पैतृक अवकाश नीति पिता को समान अवकाश प्रदान करती है, जो घर पर साझा पालन-पोषण और लैंगिक समानता को बढ़ावा देती है। लैंगिक न्याय के लिए संतुलित दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए पुरुषों के अधिकारों को समान ईमानदारी से संबोधित करने की आवश्यकता है। लैंगिक-तटस्थ कानून, मानसिक स्वास्थ्य सहायता में वृद्धि और सामाजिक रूढ़ियों को ख़त्म करने के लिए जागरूकता अभियान महत्त्वपूर्ण क़दम हैं। जैसा कि मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने कहा था, 'किसी भी जगह अन्याय हर जगह न्याय के लिए ख़तरा है।'

आधुनिक जीवन में ध्यान की प्रासंगिकता

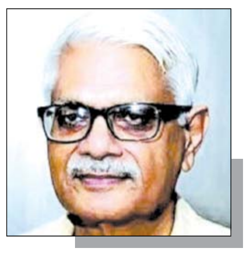

गिरीश्वर मिश्र

ध्यान किसी तरह का धार्मिक उपक्रम नहीं है। यह बाहर से हट कर अंदर के अनुभवों को सम्बोधित करने वाला वैचारिक (रिफलेक्टिव) प्रयास है। एकाग्रता तथा अवगत या सचेत होना ही इसका मुख्य आधार है जो वर्तमान में बने रहने और मन की शांति को रेखांकित करता है। दरअसल आँख, कान, नाक, त्वचा आदि हमारे सभी संग्राहक बाहर की दुनिया से लगातार उद्दीपक लाते रहते हैं और उस सारी सामग्री की हमारे मन को व्याख्या करनी पड़ती है। हमारी आँखों से एकत्रित सूचनाओं की बाहर की दुनिया से मिलने वाली सम्पूर्ण सूचनाओं के करीब दो तिहाई भाग की हिस्सेदारी होती है। ये सारी सूचनाएँ हमारे चेतन मन पर असर डालती हैं। तनाव के क्षणों में मन अंदर और बाहर से पैदा होने वाले विचारों से जूझता है। ये विचार ध्यान पाने के लिए आपस में प्रतिद्वंदिता करते हैं और एक-दूसरे से टकराते भी हैं । सूचनाओं की बढ़ती मात्रा से सूचना का अतिभार पैदा होता है। तब अवधान की एकाग्रता घटने लगती है। एक साथ भारी संख्या में आते विचारों की अव्यवस्थित भीड़ का तनाव के अनुभव से बड़ा गहरा रिश्ता है। कहते हैं ध्यान का कार्य एक ब्लैकबोर्ड पर चाक से की गई सारी लिखावट को डस्टर से साफ करने जैसा होता है। ध्यान मानसिक कोलाहल हटा कर संतुलन लाने का काम करता है। सूचना और संचार की शब्दावली में कहें तो ध्यान करने से हमारी चेतना की बैंडविड्थ बढ़ जाती है।

ध्यान कई प्रकार का होता है। इसे सिर्फ विचार या कल्पना मान लेना ठीक न होगा। ध्यान के अंतर्गत आदमी सजग और सचेत होकर अपने भीतर की ओर गहन स्तर पर केंद्रित होता है। इसे आंतरिक ध्यानाकर्षण भी कह सकते हैं। ध्यान को मुख्यतः दो भागों में रखा जाता है। एकाग्र ध्यान तथा सचेत ध्यान इसके दो मुख्य प्रकार पहचाने गए हैं। एकाग्र ध्यान करने में किसी एक विचार पर अवधान (अटेंशन) को केंद्रित किया जाता है। इसके अंतर्गत किसी मंत्र, शब्द या ध्वनि पर अवधान केंद्रित करना सम्मिलित है। एकाग्र होने से मन भटकता नहीं है। ध्यान के फलस्वरूप होने वाले मुख्य अनुभवों में आंतरिक एकाग्रता, प्रशांति और सहज भाव मुख्य होते हैं। ध्यान में वर्तमान का सम्पूर्ण अनुभव होता है। भावातीत ध्यान भी इसी तरह का है जो पश्चिम में बड़ा लोकप्रिय हुआ। सचेत ध्यान (माइंडफुलनेस मेडिटेशन) में सभी आ रहे विचारों को स्वीकार किया जाता है और उनको नियंत्रित करने की कोई कोशिश नहीं की जाती है। बिना किसी निर्णय या भावनात्मक लगाव के उनको अनुभव किया जाता है। जेन ध्यान, विपश्यना, प्रेक्षा ध्यान, सहज ध्यान आदि कई प्रकार के ध्यान की परम्पराओं का विकास हुआ है।

वस्तुतः ध्यान से हमारी चेतना की दशा में बदलाव आता है। विस्तार में कहें तो देश और काल के अनुभव, वर्तमान की उन्मुखता, ग्रहणशीलता में वृद्धि और स्वयं को अतिक्रांत करने की वृत्ति जैसे बदलाव प्रमुखता से पाए गए हैं। कई अध्ययनों से पता चलता है कि ध्यान लगाने से जैविक शारीरिक स्तर पर अनेक परिवर्तन आते हैं। इनमें आक्सीजन की खपत में कमी, हृदय गति का धीमा होना तथा रक्तचाप कम प्रमुख हैं। ध्यान करने से मस्तिष्क में अल्फ़ा तरंगें अधिक होती हैं।

ध्यान के लिए जरूरी है कि शांत स्थान पर आराम से स्थिर बैठने का अभ्यास किया जाए। तब श्वांस को सहज बना कर साक्षी भाव अपनाते हुए मन में आ-जा रहे विचारों की गुणवत्ता का परीक्षण किया जाता है। स्वीकार करने की मनोवृत्ति के साथ केंद्रित और अविचलित बने रहना ध्यान की बड़ी उपलब्धि होती है। कहते हैं कि ध्यान एक मानसिक झाड़ू जैसा होता है जो मन के सभी कोनों में सफाई कर देता है। ध्यान मन की स्थिति है जिसके लिए एकाग्रता का अभ्यास जरूरी होता है। वस्तुतः ध्यान हमारी चेतना का अंतरण है। यह एक व्यवस्थित और पद्धतिबद्ध प्रक्रिया है। अभ्यास के साथ शरीर, स्वांस, इंद्रियाँ और मन इन सभी पर हम क्रमशः केंद्रित होते चलते हैं। आमतौर पर योगासन, स्ट्रेचिंग, आराम (रिलैक्सेशन), श्वांसन अभ्यास के बाद ज्ञान मुद्रा के साथ सुखासन या पद्मासन में बैठ ध्यान किया जाता है। ऐसे में अहं को चेतना के केंद्र की ओर ले जाना सम्भव हो पाता है। शांति, आनंद, स्वतंत्रता ही हमारी मूल प्रकृति है। जीवन और मृत्यु, आगमन-प्रस्थान सरीखे होते हैं। आंतरिक विकास तथा आत्मा और स्व के प्रति जागरूकता ध्यान की श्रेष्ठ उपलब्धि है। ध्यान के सतत अभ्यास से तनाव का प्रतिरोध संभव होता है और मानसिक शांति की अवस्था में वृद्धि होती है। ध्यान से आनंद में वृद्धि तथा अनुभव में संतुष्टि, स्पष्टता और सजगता आती है। तब शरीर विश्रांत, मन केंद्रित और स्वास्थ्य अच्छा होता है। ध्यान का उपचारात्मक प्रभाव पड़ता है और अभ्यास करने वाला व्यक्ति आत्मनिर्भर और आंतरिक बल से सम्पन्न होता है।

ध्यान का अभ्यास करने के दौरान कई तरह की बाधाएँ आती हैं। ध्यान करने वाले को साक्षी भाव अपनाते हुए इन बाधाओं की उपेक्षा करनी चाहिए। चूँकि मन बड़ा चंचल होता है, ध्यान को लेकर अक्सर प्रतिरोध भी अनुभव किया जाता है जो निरंतर अभ्यास से नियंत्रित होता है। धीरे-धीरे ध्यान की अवधि और गहनता बढ़ाई जाती है। इसी जटिलता के कारण गुरु की आवश्यकता पड़ती है। ध्यान समूहों और अन्य साधक जनों से सहायता ली जानी चाहिए। मन में स्वीकार की भावना के साथ अभ्यास लाभप्रद होता है। आधुनिक जीवन शैली जिस तरह सूचनाओं के प्रवाह से आक्रांत हो रही है उसमें हमारा अवधान न केवल खंडित हो रहा बल्कि उसकी अवधि संक्षिप्त और गहनता घट रही है। ऐसे में ध्यान का अभ्यास विद्यार्थियों, व्यवासाय में लगे लोगों सबके लिए महत्वपूर्ण होता जा रहा है। इसकी सहायता से हम जीवन की गुणवत्ता बढ़ा सकते हैं और देश व समाज को योगदान कर सकेंगे।

जब हमारा मस्तिष्क विचारों के भार से मुक्त या कहें स्वच्छ रहता है तो नए विचारों की स्वीकार्यता बढ़ जाती है। तब नए दृष्टिकोण आते हैं, नई उद्भावनाएँ आती हैं और अनसुलझी समस्याओं को सुलझाने के लिए सूझ भी मिलती है। सीखने के लिए उचित परिवेश जरूरी है और ध्यान हमें एकाग्र करके इसे संभव बनाता है। वह हमें आत्मचेतस बनाता है और हम अपने स्व से अवगत होते हैं। यह दुर्भाग्य है कि आज की शिक्षा में आमतौर पर बाहर की दुनिया को देखना तो सिखाया जाता है परंतु अंदर झांकना नहीं हो पाता है। शिक्षित होकर भी हमारे भीतर क्या है, इससे हम अनजान बने रहते हैं। भीतरी आयामों तक जाने की विधा सामान्य रूप से अध्ययन का विषय नहीं है। इस कमी को दूर करने के लिए ध्यान को शिक्षा का अंग बनाना आवश्यक है।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

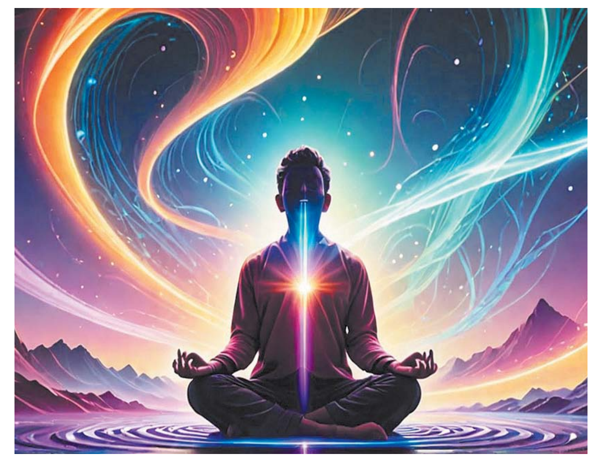

सुशासन और सूचना का अधिकार

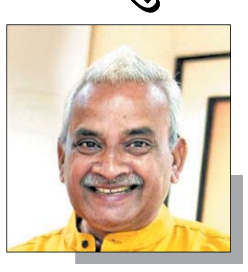

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

केंद्रीय सूचना आयोग द्वारा आयोजित सम्मेलन में विकसित भारत में आर टी आई का योगदान विषय पर विचार विमर्श किया गया। यूपी देश का सबसे बड़ा प्रदेश है। इसलिए भारत के विकास में उसका योगदान भी सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। भारतीय संविधान में फेडरल शासन व्यवस्था को अपनाया गया है। इसमें केंद्र और राज्य दोनों का महत्व है। सहयोगी संघवाद से ही समग्र विकास संभव है। विकसित भारत में विकसित यूपी का सर्वाधिक महत्व है। सूचना के अधिकार भी लोक कल्याण में सहायक है। एसडीजी इण्डिया इण्डेक्स 2023-24 की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश फ्रण्ट रनर कैटेगरी में सम्मिलित हो गया है। विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक प्रदेश की करीब चार सौ बेस्ट प्रैक्टिसेस वर्तमान में नीति आयोग के 'नीति फॉर स्टेट्स पोर्टल' पर अपलोड हैं। यूपी की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए सभी विभागों को अनेक सेक्टर्स में वर्गीकृत करते हुए नियोजित प्रयास किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मादी ने देश को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर का आकार देने का निर्णय लिया है। इस सम्बन्ध में अलग-अलग सेक्टर चिह्नित करते हुए प्रदेश सरकार द्वारा सभी सेक्टरों में कार्रवाई की जा रही है। एमएसएमई यूनिटों के साथ उत्तर प्रदेश में देश का सबसे बड़ा आधार मौजूद है। इस सेक्टर को प्रमोट करने की एक जनपद, एक उत्पाद योजना संचालित है। यह देश की एक लोकप्रिय योजना है

इकोनॉमी बनाने व इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए पंद्रह हजार एकड़ से अधिक का लैंडबैंक तैयार कर लिया है। इसका मकसद है कि ग्लोबल समिट में आने वाली वैश्विक कंपनियों को यहां प्लांट और अपने प्रोजेक्ट लगाने में कोई असुविधा न हो। यूपीसीडा ने लैंडबैंक से कनेक्टिविटी को बेहतर करने की दिशा में प्रयास शुरू कर दिए हैं। यूपीसीडी अन्य लैंडबैंक के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। औद्योगिक क्षेत्र के श्रमिकों के रहने के लिए डोरमेट्री तथा कम्युनिटी टॉयलेट्स का निर्माण युद्धस्तर पर किया जा रहा है। उद्योग जगत की अनेक अपेक्षायें होती हैं। जिस प्रदेश में उन्हें सुविधाएं मिलती हैं, वह उधर का ही रुख करते हैं। इसमें कानून-व्यवस्था की स्थिति का सुदृढ़ होना पहली शर्त होती है। इसके साथ ही सिंगल विंडो सिस्टम, इज ऑफ डूइंग बिजनेस और बिजली की पर्याप्त आपूर्ति,बेहतर कनेक्टिविटी, लैंड बैक की स्थापना आदि की आवश्यकता होती है। यहां इनवेस्टर्स समिट और प्रस्तावों के शिलान्यास से अनेक अध्याय कायम हुए। यूपी इज ऑफ डूइंग बिजनेस में कीर्तिमान स्थापित हुआ। यूपी सरप्लस राजस्व वाला प्रदेश है। उत्तर प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था का इंजन बन रहा है। आज यूपी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला प्रदेश है। एक ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमि वाला प्रदेश बनाने के लिए काम किया जा रहे है। यूपी डेटा सेंटर का हब बन रहा है। पहली डिस्प्ले यूनिट चीन से यूपी में आई। चिकित्सा, कानून व्यवस्था, पर्यटन,शिक्षा और इन्फ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट पर खासा फोकस किया गया है। पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह कार्य जन सूचना के अधिकार की भावना के अनुरूप है। केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का न्यूनतम सरकार अधिकतम शासन का मंत्र अनिवार्य रूप से पारदर्शिता को बढ़ावा देता है।

केंद्रीय सूचना आयोग के सम्मेलन का विषय भी यह था। विकसित भारत की यात्रा में आरटीआई का योगदान। सूचना के अधिकार अधिनियम ने नागरिकों को सूचना तक पहुंचने के लिए एक मजबूत तंत्र प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाया है। सरकार और लोगों के बीच की खाई को पाटा है। यह भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई और नागरिक केंद्रित शासन मॉडल को बढ़ावा देने में आधारशिला के रूप में कार्य करता है। सूचना आयोग द्वारा ई फाइलिंग,ई सुनवाई और अभिलेखों के डिजिटलीकरण सहित ई पहलों को अपनाने से दक्षता और पारदर्शिता के लिए नए मानक स्थापित हुए हैं।

उस्ताद जाकिर हुसैन : थम गयी तबले की थाप

डॉ. नुपूर निखिल देशकर

संगीत संसार में तबले को एक नया आयाम देने और अपनी कला से भारत को विश्वपटल पर पहचान दिलाने वाले तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन अब इस संसार में नहीं रहें। उनकी अद्वितीय प्रतिभा और साधना ने तबले को एक नई पहचान दिलाई। जाकिर हुसैन ने तबला वादन की कला अपने पिता और गुरु उस्ताद अल्ला रक्खा से सीखी। अल्ला रक्खा स्वयं भारतीय शास्त्रीय संगीत के महान तबला वादकों में से एक थे। जाकिर ने इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए इसे वैश्विक मंच तक पहुंचाया। जाकिर हुसैन का संगीत तकनीकी दक्षता का एक उत्कृष्ट प्रदर्शन था।

जाकिर हुसैन ने शास्त्रीय संगीत के साथ-साथ फ्यूजन म्यूज़कि और वर्ल्ड म्यूज़कि में भी तबले को स्थापित किया। "शक्ति" जैसे बैंड के साथ उन्होंने भारतीय और पाश्चात्य संगीत के अद्भुत संयोजन किए। उनकी उंगलियों की थाप से तबले पर उभरने वाली ध्वनियां संगीत प्रेमियों के दिलों में एक अमिट छाप छोड़ती थीं। भारत सरकार ने जाकिर हुसैन को 1988 में पद्मश्री, 2002 में पद्म भूषण, और 2023 में पद्म विभूषण से अलंकृत किया। वर्ष 1990 में संगीत नाटक अकादमी ने सम्मानित किया। वर्ष 1999 में यूनाइटेड स्टेट्स नेशनल एंडॉमेंट फ़ॉर द आर्ट्स की नेशनल हेरिटेज फ़ेलोशिप से सम्मानित किया गया था। यही नहीं इन्होंने ने अपने जीवन में कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रदर्शन किया। ग्रैमी अवॉर्ड्स सहित उन्होंने अनगिनत पुरस्कार जीते। उनका योगदान भारतीय संगीत को वैश्विक पहचान दिलाने में अमूल्य रहा। चाहे वह पंडित रविशंकर के साथ हो या जॉन मैकलॉघलिन जैसे अंतरराष्ट्रीय कलाकारों के साथ, जाकिर हुसैन ने हर बार अपनी प्रतिभा को नये रूप में स्थापित किया। नौ मार्च 1951 को महान तबला वादक अल्लाह रखा के घर में जन्में जाकिर हुसैन को उनके पिता अल्ला रक्खा खान ने बचपन से ही ताल से बांध दिया इसलिए थोड़ा बड़े होते ही इन्होंने घर के बर्तनों को बचाना प्रारंभ कर दिया था। मात्र 3 वर्ष की आयु से ही जाकिर के पिता उन्हें पखावज पढ़ाने लगे थे। इसके बाद उन्होंने 11 वर्ष की आयु में अमेरिका में अपना पहला कॉन्सर्ट किया था। जाकिर हुसैन 12 वर्ष के थे तब वह अपने पिता उस्ताद अल्ला रक्खा खान के साथ एक म्यूजिक कॉन्सर्ट में इंदौर में पहुंचे। वहां मंच पर प्रख्यात संगीतज्ञ पं. ओंकारनाथ ठाकुर ने उन्हें तबला बजाते हुए देखा। उनकी प्रस्तुति समाप्त होते ही पंडित जी ने आशीर्वाद स्वरूप जेब से पांच रुपये का नोट निकालकर उन्हें दिया और पूछा.......बेटा, मेरे साथ बजाओगे? और बस यहीं से जाकिर हुसैन के ताल का सफर शुरू हुआ और वह एक दिन उस्ताद जाकिर हुसैन बन गये। जाकिर हुसैन ने 'इन कस्टडी', 'द मिस्टिक मस्सेर', 'हीट एंड डस्ट' आदि जैसी कई फिल्मों के लिए संगीत तैयार किया है। मलयालम फिल्म 'वानप्रस्थम' के लिए उनकी रचना, जिसे प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित किया गया था, ने उन्हें विश्व स्तर पर ख्याति दिलाई। कुछ अन्य फिल्में जिनके लिए उन्होंने संगीत स्कोर पर काम किया है, उनमें 'एपोकैलिप्स नाउ', 'लिटिल बुद्धा', 'साज़', मिसेज अय्यर' और 'वन डॉलर करी', 'मिस्टर' आदि सम्मिलित हैं। वर्ष 1998 में आई फिल्म साज में दस गाने थे। इसका संगीत ज़ाकिर हुसैन, भूपेन्द्र हज़ारिका, राजकमल और यशवंत देव ने मिलकर दिया था। इसके दो गीत इस प्रकार हैः-

क्या तुमने है कह दिया - कविता कृष्णमूर्ति (ज़ाकिर हुसैन) द्वारा गाया गया

फिर भोर भयी - देवकी पंडित (ज़ाकिर हुसैन) द्वारा गाया गया

जाकिर हुसैन ने स्वयं को फिल्मों के लिए तबला बजाने तक ही सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्होंने भारतीय संगीत में नये प्रयोग किए। उनके फिल्म संगीत में योगदान ने तबले और भारतीय शास्त्रीय संगीत को एक नई ऊंचाई दी। दिनांक 15 दिसंबर 2024 को जाकिर हुसैन ने इस संसार को अलविदा कह दिया। उनका निधन भारतीय और विश्व संगीत के लिए एक अपूरणीय क्षति है लेकिन उनकी कला और धुनें हमेशा जीवित रहेंगी। उनकी थापों में छिपी कहानी और उनकी ध्वनियों में बहता संगीत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा।

अल्पसंख्यक के नाम पर राजनीति ज्यादा खतरनाक

ललित गर्ग

अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पहली बार 18 दिसंबर 1992 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की रक्षा, राष्ट्र निर्माण में योगदान के रूप में चिन्हित कर अल्पसंख्यकों के क्षेत्र विशेष में ही उनकी भाषा, जाति, धर्म, संस्कृति, परंपरा आदि की सुरक्षा को सुनिश्चित करने एवं समाज को जागृत करने हेतु मनाया जाता है। इस साल थीम 'विविधता और समावेश का जश्न मनाना' है। इसका उद्देश्य भारत के अल्पसंख्यकों की समावेशिता और विविधता को बढ़ावा देना है। यह थीम इस बात पर ज़ोर देती है कि अल्पसंख्यक के अधिकार सिर्फ़ आकांक्षाएं नहीं हैं, बल्कि बेहतर भविष्य के लिए लोगों और समुदायों को सशक्त बनाने का एक व्यावहारिक तरीका भी हैं। संयुक्त राष्ट्र ने अल्पसंख्यकों की परिभाषा दी है कि ऐसा समुदाय जिसका सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक रूप से कोई प्रभाव न हो और जिसकी आबादी नगण्य हो, उसे अल्पसंख्यक कहा जाएगा। भारत में, इस दिन राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (एनसीएम) द्वारा राष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिकार दिवस व्यापक स्तर पर मनाया जाता है। यह दिवस राष्ट्रीय या जातीय, धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों से संबंधित व्यक्तियों के अधिकारों की घोषणा को जीवंतता प्रदान करने का दिवस है। भारत में केंद्र सरकार अल्पसंख्यकों के गैर-भेदभाव और समानता के अधिकारों की गारंटी के प्रयास सुनिश्चित करने के लिये प्रतिबद्ध है। इस दिन, देश के अल्पसंख्यक समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों और मुद्दों पर ध्यान खींचा जाता है। लोग धार्मिक, सांस्कृतिक, भाषाई और जातीय अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करने की बात करते हैं।

भारत 'लोकतंत्र की जननी' कहलाता है, यहां के लोकतंत्र को खुबसूरती प्रदान करने के लिये भारत का संविधान सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान करता है और भाषाई, जातीय, सांस्कृतिक और धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए कई उपक्रम एवं प्रयोग करता है। सरकार उन लोगों का गंभीरता एवं समानता से ख्याल रखती है जो अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के लोगों सहित उनकी जाति, संस्कृति और समुदाय के बावजूद आर्थिक या सामाजिक रूप से वंचित लोग हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रत्येक राष्ट्र में अलग-अलग जातीय, भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यक समूह होते हैं। भारत में अनेक अल्पसंख्यक समुदाय है। आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, झारखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, मणिपुर, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे विभिन्न राज्यों ने अपने-अपने राज्यों में राज्य अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना की, जो संविधान और संसद और राज्य विधानमंडलों द्वारा अधिनियमित कानूनों में दिए गए अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा और संरक्षण करते हैं। अल्पसंख्यक अधिकार दिवस अल्पसंख्यकों के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव को खत्म करने के मकसद से मनाया जाता है। हालांकि, कानूनी रूप से भारत के संविधान में अल्पसंख्यक की कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है लेकिन अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा के लिए संविधान के कई प्रावधान अनुच्छेद 29, 30 आदि हैं। अल्पसंख्यक शब्द अल्प और संख्यक दो शब्दों से बना है। जिसका मतलब दूसरों की तुलना में कम संख्या होना है। भारत में अल्पसंख्यकों में मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन और पारसी शामिल हैं। जरूरत है कि अल्पसंख्यकों को नहीं बांटें और सत्य को नहीं ढकें।

लोकतंत्र भारत की आत्मा है और उसकी रगों में लोकतंत्र रचा-बसा है। यहां सभी को समानता से जीने का अधिकार है, जाति, पंथ एवं धर्म के आधार पर किसी के साथ भेदभाव का कोई सवाल ही नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के कल्याण एवं अधिकारों पर बल दिया है तभी उनकी सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के सिद्धांत पर चलती है। अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव के आरोप पर मोदी ने कहा कि भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों में धर्म, जाति, उम्र या भू-भाग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं है। हमारी सरकार लोकतंत्र के मूल्यों के आधार पर बने संविधान के आधार पर चलती है तो पक्षपात का कोई सवाल ही नहीं उठता है। 'सबका' शब्द में सभी अल्पसंख्यक वर्ग को सम्मिलित करने का भाव है, मोदी सरकार ने अपने नए नारे के साथ ये एहसास दिलाने का प्रयास किया है कि अल्पसंख्यक समुदाय का भी विश्वास अर्जित करने के भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। तीन तलाक के विरुद्ध कानून लाकर अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं को बहुसंख्यक समाज के महिला के बराबर बताने की कोशिश ऐसा ही प्रयास है।

भारत की माटी ने 'वसुधैव कुटुम्बकम' का उद्घोष करके सभी प्राणियों के सुखी एवं समृद्ध होने की कामना की है। यहां अल्पसंख्यकों के साथ इसी उद्घोष की भांति उदात्तता बरती जाती है। महात्मा गांधी ने कहा भी है कि किसी राष्ट्र की महानता इस बात से मापी जाती है कि वह अपने सबसे कमजोर नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है।' इस दृष्टि से आजादी के बाद की सभी सरकारों ने अल्पसंख्यकों के साथ उदात्त एवं कल्याणकारी दृष्टिकोण अपनाया है। लेकिन कुछ राजनीतिक दलों ने अपने स्वार्थों के लिये अल्पसंख्यकों को गुमराह किया है, साम्प्रदायिक उन्माद पैदा किया है। जिससे भारत के लोकतंत्र पर लाल और काले धब्बे लगते गये हैं। इन्हीं संकीर्ण एवं साम्प्रदायिकता की राजनीति करने वाले दलों ने अल्पसंख्यकों के कल्याण की बजाय उनको वोट बैंक मानकर उनके वास्तविक अधिकारों की अनदेखी की है। ऐसे राजनेताओं ने अल्पसंख्यकों का जीवन खतरे में है, कहकर उन्हें उकसाया है, राष्ट्र की मूलधारा से अलग-थलग करने की कोशिश की है, लेकिन मोदी सरकार ने अल्पसंख्यकों के कल्याण की अनेक बहुआयामी योजनाओं एवं नीतियों को लागू कर इन तथाकथित नेताओं की जुबान पर ताला लगा दिया है। सच कहा जाये तो देश में अल्पसंख्यक खतरे में नहीं हैं, अल्पसंख्यकों के नाम पर राजनीति करने वाले खतरे में हैं।

भारत विविध संस्कृतियों और समुदायों का देश है, यही इसका सौन्दर्य है। एक या अधिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव और जबरन आत्मसात करने से समृद्ध और ऐतिहासिक संस्कृतियों, भाषाओं और धर्मों का नुकसान हो सकता है जिन्होंने सदियों से भारत में अपनी विरासत संभाली है। विशिष्ट भारतीय समुदायों की सांस्कृतिक रूप से विविध पहचान को केवल अल्पसंख्यकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करके ही बरकरार रखा जा सकता है। भारतीय सामाजिक प्रथाओं में प्रत्येक संस्कृति और धर्म के प्रति सहिष्णु और सर्व-समावेशी रवैया शामिल है। भेदभाव, जबरन आत्मसातीकरण एवं धर्म-परिवर्तन समुदायों को खतरे में डालता है और भारतीय समाज के समग्र सार एवं उसके मूल स्वरूप को प्रभावित करता है। भेदभाव नफरत का सबसे खराब एवं वीभत्स रूप है। लोगों के एक समूह के खिलाफ उनकी भाषाई या सांस्कृतिक मान्यताओं के आधार पर हिंसक कार्रवाई करना किसी व्यक्ति के विवेक के लिए हानिकारक है। खतरा मन्दिरों, मस्जिदों, गिरजों और गुरुद्वारों को नहीं है। खतरा हमारी संस्कृति को है, हमारी सांस्कृतिक एकता को है, जो हमारी हजारों वर्षों से सिद्ध चरित्र की प्रतीक है। जो युगों और परिवर्तनों के कई दौरों की कसौटी पर खरा उतरा है। कोई बहुसंख्यक और कोई अल्पसंख्यक है, तो इस सच्चाई को स्वीकार करके रहना, अब तक हम क्यों नहीं सीख पाए? देश में अनेक धर्म के सम्प्रदाय हैं और उनमें सभी अल्पमत में हैं। वे भी तो जी रहे हैं। उन सबको वैधानिक अधिकार हैं तो नैतिक दायित्व भी हैं। देश, सरकार संविधान से चलते हैं, आस्था से नहीं। धर्म को सम्प्रदाय से ऊपर नहीं रख सके तो धर्म का सदैव गलत अर्थ निकलता रहेगा। धर्म तो संजीवनी है, जिसे विष के रूप में प्रयोग किया जा रहा है। वोटों के लिए जिस प्रकार की धर्म की एवं अल्पसंख्यकवाद की राजनीति चलाई जा रही है और हिंसा को जिस प्रकार समाज में प्रतिष्ठापित किया जा रहा है, क्या इसको कोई थामने का प्रयास करेगा? राजनीति का व्यापार करना छोड़ दीजिए, भाईचारा अपने आप जगह बना लेगा, अल्पसंख्यक अपने आप ऊपर उठ जायेगा।

संक्षिप्त समाचार

जिला जयपुर प्रथम में शक्ति दिवस का आयोजन

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) जयपुर प्रथम, 17 दिसंबर ' जिला जयपुर प्रथम में मंगलवार को शक्ति दिवस आयोजित किया गया। जिसमे बच्चों, किशोरी बालिकाओं और महिलाओं की अनिमिया की स्क्रीनिंग, हीमोग्लोबिन की जांच के साथ अनिमिया का उपचार किया गया और आयरन की टेबलेट्स का वितरण किया गया। कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. इंद्रा गुप्ता ने बताया कि राजस्थान को अनिमिया मुक्त करने के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य विभागों के साथ मिलकर माह के प्रत्येक मंगलवार को शक्ति दिवस के रूप में आयोजित किया जाता है।उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (परिवार कल्याण) जयपुर प्रथम डॉ. प्रवीण झरवाल ने बताया कि अभियान के तहत बच्चों, उन महिलाओं व किशोरियों में अनिमिया की दर कम करने के लिए उनकी अनिमिया की स्क्रीनिंग व उपचार किया जाता है। इसमे बच्चों, किशोरी बालिकाओं, विवाहित महिलाओं, गर्भवती महिलाओं तथा धात्री माताओं में अनिमिया मुक्ति के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

डूंगरपुर में जलदाय विभाग का अधीक्षण अभियंता 2 लाख रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

चमकता राजस्थान। जयपुर, (खलील कुरैशी) 17 दिसम्बर, मंगलवार। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर डूंगरपुर इकाई द्वारा कार्यवाही करते हुये अनिल कछवाहा अधीक्षण अभियंता, जलदाय विभाग, जिला डूंगरपुर को परिवादी से 2 लाख रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी.बी. की डूंगरपुर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि जल-जीवन मिशन योजना के अन्तर्गत करवाये गये कार्यों के करीब 2 करोड़ 50 लाख रुपये के बकाया बिलों को पास करने की एवज में आरोपी अनिल कछवाहा अधीक्षण अभियंता द्वारा 5 लाख रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है।जिस पर एसीबी उदयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्र प्रसाद गोयल के सुपरवीजन में एसीबी की डूंगरपुर इकाई के उप अधीक्षक पुलिस रतन सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज उनके द्वारा मय टीम पुलिस निरीक्षक राजेन्द्र सिंह एवं अन्य के ट्रेप कार्यवाही करते हुये आरोपी अनिल कछवाहा अधीक्षण अभियंता को परिवादी से 2 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि आरोपी अधीक्षण अभियंता द्वारा शिकायत के सत्यापन के दौरान भी परिवादी से 1 लाख रुपये रिश्वत के रूप में वसूल किये जा चुके हैं।एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ एवं कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

पुलिस मुख्यालय क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई

जोबनेर थाना इलाके में हुई 1.96 लाख की लूट के मामले में एक आरोपी पकड़ा, स्विफ्ट कार व बाइक जब्त

लूट के मामले में सहआरोपी नाबालिग 2.40 लाख रुपए के जाली नोट, 10 हजार रुपये नगद सहित निरुद्ध

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) 17 दिसंबर। पुलिस मुख्यालय स्थित सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम ने सोमवार रात बड़ी कार्रवाई कर जोबनेर में हुई 1.96 लाख रुपए की लूट के मामले में आरोपी सागर बावरिया पुत्र कालूराम (54) निवासी देहरा भूदोली थाना सदर नीमकाथाना को गिरफ्तार करवा एक स्विफ्ट कार व बाइक जब्त की है। लूट की इस घटना में सहआरोपी एक नाबालिग को डिटेन कर 2.40 लाख के जाली नोट (चिल्ड्रन मनोरंजन बैंक), 10 हजार रुपये नगद एवं एक बाइक जब्त की। अतिरिक्त महानिदेशक, क्राइम ब्रांच, पुलिस मुख्यालय दिनेश एमएन ने बताया कि गैंगस्टर्स, वांछित आरोपियों, तस्करों इत्यादि की जानकारी व धरपकड़ के लिए उपमहानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन एवं पुलिस निरीक्षक राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच से एएसआई बनवारी लाल, हेड कांस्टेबल हेमंत शर्मा, महेश सोमरा, गोपाल धाबाई, कांस्टेबल देवेंद्र सिंह, विजय सिंह, गंगाराम, जितेंद्र कुमार व कांस्टेबल चालक दिनेश की एक विशेष टीम लगाई गई है। आसूचना संकलन के दौरान टीम के सदस्य एएसआई बनवारी लाल शर्मा को सूचना मिली कि हरमाड़ा थाना इलाके में बेनाड रेलवे स्टेशन के पास जोबनेर लूट के 5-6 आरोपी खड़े हैं। इस सूचना पर टीम स्थानीय पुलिस को साथ लेकर तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस टीम को देख वहां खड़े व्यक्ति फरार हो गए, एक नाबालिग को टीम ने घेर कर पकड़ लिया। नाबालिग की तलाशी में चिल्ड्रंस मनोरंजन बैंक के 500-500 नोट की 5 गड्डियां मिली, जिसके ऊपर व नीचे दो-दो असली 500 रुपये के नोट लगा रखे थे।पुलिस ने नाबालिग से पूछताछ की तो उसने बताया कि उसे यह नोट उसी के गांव के तेजाराम बावरिया व पप्पू राम बावरिया देते हैं। उनका एक गिरोह है, जिसमें इन दोनों के अलावा हंसराज बावरिया, ममता बावरिया, सागर बावरिया, जनेश बावरिया आदि शामिल है। नाबालिक ने अपने इन साथियों के साथ मिलकर जोबनेर में एक युवक से 1.96 लाख रुपए की लूट में शामिल होना बताया। साथ ही यह भी बताया कि वे इन नोटों को असली बताकर लोगों से ठगी किया करते हैं। जिसे हरमाड़ा थाना पुलिस ने ठगी के आरोप में निरुद्ध कर लिया।इसी दौरान एएसआई बनवारी लाल को सूचना मिली कि जोबनेर में लूट का एक आरोपी सागर बावरिया बैनाड़ फाटक के पास किसी परिचित के यहां रुका हुआ है। इस पर टीम ने दबिश दी, जहां उन्हें आरोपी सागर मिल गया। पुलिस को आरोपी के पास से एक स्विफ्ट कार व बाइक भी मिली है। दोनों गाड़ियों और आरोपी को डिटेन कर टीम ने जोबनेर थाना पुलिस को सौंप दिया।

पुरानी टीवी की पिक्चर ट्यूब के नाम पर ठगी और लूट की घटना को देते हैं अनजान

» यह गिरोह पहले किसी अच्छे बंगले और मालदार आदमी की तलाश करते हैं। जिसके लिए पूरी रेकी की जाती है। उसके बाद टारगेट को चिन्हित कर पुराने शटर वाले टीवी की पिक्चर ट्यूब लाखों में खरीदने का झांसा दिया जाता है। पिक्चर ट्यूब खरीदने के बहाने यह घरों में घुस जाते हैं। फिर हथियार के दम पर मारपीट कर लूट की घटना को अंजाम देते हैं। इसके अलावा यह गिरोह मोटी रकम लेकर निकले राहगीरों से भी लूट की वारदात किया करते हैं।

जोबनेर में लूट थे 1.96 लाख रुपए

» बैनाड़ निवासी युवक ललित जाट 14 दिसम्बर की शाम अपने दोस्त संजीव के साथ जमीन खरीदने के लिए साइपेटे के 1.96 लाख लेकर निकले थे। प्लॉट देखने बस्सी टोल के पास कच्चे रास्ते से जा रहे थे। उस रोड़ पर एक स्विफ्ट गाड़ी व दो बाइक खड़ी थी। गाड़ी लेकर खड़े बदमाशों ने चोर चोर चिल्ला मारपीट की और रुपयों से भरा बैग छीन कर भगा दिया। रिपोर्ट पर थाना जोबनेर में रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही थी। क्राइम ब्रांच ने मात्र 48 घण्टों के अंदर मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार करवा नाबालिग को डिटेन करने में सफलता हासिल की है।एएसपी सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन व पुलिस निरीक्षक राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई मे एएसआई बनवारी लाल शर्मा की विशेष भूमिका व हेड कांस्टेबल हेमंत शर्मा की तकनीकी भूमिका रही। हेड कांस्टेबल महेश सोमरा व गोपाल धाबाई, कांस्टेबल देवेंद्र सिंह, विजय सिंह, गंगाराम, जितेंद्र कुमार व कांस्टेबल चालक दिनेश का सराहनीय सहयोग रहा।

अटल विहार आवासीय योजना में 284 भूखण्डों के लिए बुधवार, 18 दिसम्बर से आनलाईन आवेदन होंगे प्रारम्भ

- **जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी ने दिया इस संबंध में संपूर्ण विवरण**

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 17 दिसम्बर। जयपुर विकास प्राधिकरण की अटल विहार आवासीय योजना में 284 भूखण्डों के लिए बुधवार, 18 दिसम्बर से आनलाईन आवेदन प्रारम्भ किये जायेंगे। जिनका आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा जयपुर विकास प्राधिकरण की अटल विहार, गोविन्द विहार एवं पटेल नगर तीन आवासीय योजनाओं का नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा की उपस्थिति में 15 दिसम्बर, 2024 को शुभारम्भ किया गया। उक्त योजनाओं में पृथक-पृथक श्रेणियों के 756 भूखण्डों के आनलाईन आवेदन आमंत्रित कर लॉटरी द्वारा आवंटन किया जायेगा।जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी ने बताया कि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में गरीब एवं मध्यम वर्ग के आवास का सपना साकार करने के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जयपुर में प्रमुख लोकेशनों पर विकसित तीन विभिन्न आवासीय योजनाओं में पृथक-पृथक श्रेणियों के 756 भूखण्डो का आवंटन ऑनलाईन लॉटरी के माध्यम से किया जायेगा जेडीसी ने बताया कि जविप्रा द्वारा जोन-12 में कालवाड़ रोड पर चक पीथावास उर्फ नारी का बास में अटल विहार आवासीय योजना विकसित की गई है। योजना में ऑनलाईन आवेदन दिनांक 18.12.2024 से 17.01.2025 तक किये जा सकेंगे हैं। जिसमें कुल 284 भूखण्ड है। अटल विहार आवासीय योजना योजना की लॉटरी 29.01.2025 को निकाली जायेगी। उक्त योजना में 45 वर्गमीटर से 220 वर्गमीटर तक के भूखण्ड उपलब्ध हैं। 45 व. मी. तक के भूखण्डों की संख्या 43, 46-75 व. मी. तक के भूखण्डों की संख्या 99, 76-120 वर्ग मीटर तक के भूखण्डों की संख्या 11, 121-220 वर्ग मीटर तक के भूखण्डों की संख्या 96 एवं 220 वर्ग मीटर से अधिक भूखण्डो की संख्या 35 है। योजना की आरक्षित दर रूपये 14,000 है।

उक्त योजना में आवेदन करने से संबंधित विस्तृत जानकारी, जविप्रा की वेबसाइट६६६.1.१२३ॅल.ड्ड५.ल्ल के माध्यम से ऑनलाईन या ई-मित्र कियोस्क केन्द्रो के माध्यम से स्वीकार किए जाएगें।

जयपुर विकास आयुक्त की अध्यक्षता में आयोजित हुई भूमि एवं सम्पत्ति निस्तारण समिति की बैठक

- **जयसिंहपुरा खोर एवं आमेर में अमृत 2.0 योजना के अन्तर्गत सीवरेज पम्पिग स्टेशन हेतु प्रस्ताव , राज्य सरकार को भेजा जाएगा**

चमकता राजस्थान। जयपुर! (खलील कुरैशी) 17 दिसम्बर। नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा के मार्गदर्शन में जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में भूमि एवं संपत्ति निस्तारण समिति की 204वीं बैठक में विभिन्न प्रकरणों का अनुमोदन किया गया।बैठक में ग्राम जयसिंहपुरा खोर तहसील जयपुर एवं ग्राम आमेर तहसील आमेर में क्षेत्र की आवश्यकता के मद्देनजर अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत सीवरेज पंम्पिग स्टेशन निर्माण हेतु भूमि आवंटन करने का प्रस्ताव अनुमोदन करते हुए प्रकरण राज्य सरकार की स्वीकृति हेतु भिजवाये जाने का निर्णय लिया गया।अधिशाषी अभियंता परियोजना खण्ड-द्वितीय (उत्तर), जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, राजस्थान जयपुर को उच्च जलाशय निर्माण हेतु भूमि आवंटन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। मुकेश कुमार राजपूताना रायफल्स, शौर्य चक विजेता को मोहनलाल सुखाडिया नगर योजना में 162 व.मी. का भूखण्ड लॉटरी के माध्यम से आवंटन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।ग्राम गाडोता तहसील मौजमाबाद, जिला जयपुर के खसरा नं. 417 रकबा 0.80 हेक्टेयर, खसरा नं. 597 रकबा 4.26 हैक्टेयर किस्म चरागाह किता 2 कुल रकबा 5.06 हैक्टेयर भूमि सुरक्षा पुलिस बल हेतु निःशुल्क आवंटन करने के प्रस्ताव अनुमोदन करते हुए प्रकरण राज्य सरकार की स्वीकृति हेतु भिजवाये जाने का निर्णय लिया गया।क्षेत्रीय मुख्य अभियंता, जयपुर विद्युत वितरण निगम लि., जयपुर द्वारा नींदड आवासीय योजना के समीप क्षेत्रफल 1500.00 व.मी. भूमि में से 33/11 के.वी. सब स्टेशन हेतु आरक्षित दर पर भूमि आवंटन का प्रस्ताव अनुमोदन करते हुए प्रकरण राज्य सरकार की स्वीकृति हेतु भिजवाये जाने का निर्णय लिया गया।नगर निगम ग्रेटर, जयपुर को ग्राम भाटेड़ तहसील सांगानेर ख. नं. 835 रकबा 2.55 हैक्टेयर किस्म चरागाह में से 5472.00 व.मी. कचरा संग्रहण स्टेशन हेतु आवंटन करने के प्रस्ताव अनुमोदन करते हुए प्रकरण राज्य सरकार की स्वीकृति हेतु भिजवाये जाने का निर्णय लिया गया।

गृह रक्षा विभाग में नवनियुक्त आरक्षियों का दीक्षांत समारोह बुधवार को

- **कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी करेंगे कार्यक्रम की अध्यक्षता**
- **115 नव नियुक्त आरक्षियों में 88 पुरूष एवं 27 महिला आरक्षी है**

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 17 दिसम्बर। जनजातिय क्षेत्रीय विकास एवं गृह रक्षा मंत्री बाबूलाल खराड़ी की अध्यक्षता में गृह रक्षा विभाग में नवनियुक्त आरक्षी, आरक्षी (ड्रममैन), आरक्षी (बिगुलर) एवं आरक्षी वाहन चालकों का लंबे समय उपरांत दीक्षांत परेड़ समारोह कार्यक्रम बुधवार 18 दिसम्बर को केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान, गृह रक्षा राजस्थान, फतेहपुरा (बेगस) जयपुर में आयोजित किया जा रहा है। यह समारोह बुधवार को प्रातः 8.45 बजे से शुरू होगा महानिदेशक व महासमादेष्टा गृह रक्षा राजेश निर्वाण ने बताया कि इन कुल 115 नवनियुक्त आरक्षियों एवं वाहन चालकों में 88 पुरूष आरक्षी एवं 27 महिला आरक्षी है। जिनका उच्च स्तरीय प्रशिक्षण पुलिस ट्रेनिंग स्कूल अलवर में 16 सप्ताह, केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान में 96 दिन तथा जिला स्तर पर फील्ड़ ट्रेनिंग शहरी गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र एवं सीमा गृह रक्षा बटालियन पर एक-एक माह की अवधि के लिए पूरी हो चुकी है।

करौली में थाना नई मण्डी हिण्डौन सिटी पुलिस कार्रवाई

कस्बे में चोरी, नकबजनी जैसी घटनाओं को अन्जाम देने वाले गिरोह का किया खुलासा

चमकता राजस्थान

- **कोटा, सवाईमाधोपुर, भरतपुर से आकर कस्बे में चोरी, लूटपाट, नकबजनी एवं जेब तराशी जैसी घटनाओं को देते थे अंजाम**
- **बावरिया गिरोह की 02 महिला सदस्यों सहित कुल 08 को किया गया गिरफ्तार**

जयपुर/ करौली!(खलील कुरैशी) 17 दिसम्बर। करौली जिले की थाना नई मण्डी हिण्डौन सिटी पुलिस ने कस्बे में चोरी, नकबजनी जैसी घटनाओं को अन्जाम देने वाले गिरोह का खुलासा कर बावरिया गिरोह की 02 महिला सदस्यों सहित कुल 08 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह कोटा, भरतपुर व सवाईमाधोपुर से आकर कस्बे में चोरी, लूटपाट, नकबजनी एवं जेब तराशी जैसी घटनाओ को अंजाम देते थेएसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि चोरी, चैन स्नैचिंग, नकबजनी जैसी घटनाओं को अंजाम देने वाले संदिग्ध व्यक्तियों की धरपकड के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एएसपी सत्येन्द्र पाल सिंह व सीओ गिरधर सिंह के सुपरवीजन एवं एसएचओ रामकिशन यादव के नेतृत्व में टीम गठित की गई।सोमवार को एसएचओ यादव को सूचना मिली कि हिण्डौन शहर मे बाहर से आई हुई गैंग के दर्जन भर सदस्य चोरी व नकबजनी की घटना करने के लिये घुम रहे है। इस पर एक टीम लगा तलाश शुरू की गई। इसी दौरान जगदम्बा मार्केट में जेब तराशी के प्रयास के दौरान इनको पकडा गया। जिन्होंने पूछताछ में बैंक, बाजार, अस्पताल, रैली, धरना प्रदर्शन, शादी, धार्मिक कार्यकमो, रेल्वे रोशन, बस स्टैण्डों पर भीड़ का फायदा उठाकर एवं खाली मकानों से चोरी व नकबजनी की वारदातों को अन्जाम देना स्वीकार किया। आरोपी भीड़ की आड़ में इन वारदातों के अलावा जेब काटना, बैग से रूपये चुराना, बैग को पार करना, पहने हुये आभूषणो को चुराते तथा दिन में कबाड़ी के बहाने मकानों की रैकी कर चोरी करते थे। इनके ढेरे कस्बों एवं शहर से बाहर रहते है एवं समाज को दिखाने के लिये कबाड़ बीनने का काम करते हैं।

इन्हें किया गया गिरफ्तार

पुलिस ने गिरोह के सदस्य अर्जुन बावरिया पुत्र बादल (21), रेशमा पत्नि अर्जुन (19) निवासी बापू नगर कुन्हाडी कोटा, कृष्णा बावरिया पुत्री लखन (19) निवासी कच्ची बस्ती पूलिया के पास सवाईमाधोपुर, सन्तोष बावरिया पुत्र लखन (19) निवासी वार्ड नम्बर 08 सवाईमाधोपुर, भारत बावरिया पुत्र सरवन (19) अशोक बावरिया पुत्र सूरज (20), रतनु बावरिया पुत्र रामचन्द्र (19) एवं गिरधारी बावरिया पुत्र किशोर (32) निवासी कच्ची बस्ती रणजीत नगर भरतपुर को गिरफ्तार किया गया है।

जयपुर स्मार्ट सिटी के सीईओ अरुण हसीजा ने नगरीय विकास एवं स्वायत शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा को स्कॉच अवॉर्ड किया भेंट

जयपुर स्मार्ट सिटी का कार्य बेहतरीन, अन्य स्मार्ट सिटी भी लें प्रेरणा : मंत्री झाबर सिंह खर्रा

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) । जयपुर स्मार्ट सिटी को देश के प्रतिष्ठित स्कॉच अवॉर्ड मिलने पर मंगलवार को जयपुर स्मार्ट सिटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण कुमार हसीजा ने नगरीय विकास एवं स्वायत शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा से मिलकर स्कॉच अवॉर्ड को भेंट किया। इस दौरान सीईओ अरुण हसीजा ने मंत्री झाबर सिंह खर्रा को स्मार्ट सिटी के तहत किए जा रहे प्रोजेक्ट के बारे में अवगत कराया, साथ ही स्मार्ट सिटी के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से अवगत कराया। सीईओ अरुण हसीजा ने बताया कि जयपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड में स्थापित एकीकृत कमाण्ड एवं कन्ट्रोल सेन्टर द्वारा नगर निगम जयपुर हेरिटेज में सुदृढ़ सफाई व्यवस्था तथा ठोस कचरा प्रबंधन के लिए कार्यरत विभिन्न वाहनों और मशीनों की 24/7 मॉनिटरिंग और सुपरविजन किया जाता है।जिसमें रीयल टाईम में वाहनों तथा स्टाफ की अधिकतम उपयोगिता सुनिश्चित करते हुये जनसाधारण को समय पर ठोस कचरा प्रबंधन से संबंधितविभिन्न सुविधायें जैसे- घर -घर कचरा संग्रहण, सड़कों की सफाई, ओपन डिपो की समय पर सफाई, रात्रिकालीन सफाई, विभिन्न मशीनों द्वा- रा सड़कों की सफाई,समस्याओं को त्वरित समाधान इत्यादि की सघन मॉनिटरिंग कमाण्ड सेन्टर से इंजिनियरों और ऑपरेटरों के माध्यम से की जाती है। इस कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की पूरी कार्य प्रणाली के बारे में स्कॉच ग्रुप ने जाना और विभिन्न मानकों में खरा उतरने पर पुरस्कृत किया।

जयपुर स्मार्ट सिटी का काम बेहतरीन, अन्य स्मार्ट सिटी भी लें प्रेरणा : मंत्री झाबर सिंह खर्रा

वहीं, मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने स्कॉच ग्रुप मिलने पर जयपुरवासियों को बधाई देते हुए कहा कि शहर को सुंदर और साफ बनाने के लिए स्वच्छता कार्य की मॉनिटरिंग बहुत जरूरी है। स्मार्ट सिटी द्वारा संचालित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से सभी व्यवस्थाओं की अच्छे से मॉनिटरिंग की जा रही है। जिसमें वाहन, हूपर व अन्य तकनीकी मशीन वाहनों की नियमित देखरेख की जा रही है। ये काम बहुत कबीले तारीफ का है और इसके लिए प्रतिष्ठित स्कॉच अवॉर्ड जयपुर स्मार्ट सिटी को मिला है। प्रदेश की अन्य स्मार्ट सिटी को भी इससे प्रेरणा लेनी चाहिए। कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से 24 घंटे सफाई व्यवस्था की हो रही निगरानीस्मार्ट सिटी सीईओ अरुण हसीजा ने बताया कि नगर निगम हेरिटेज में कार्यरत 450 हुपर्स, 20 आरसी, 12 रोड स्वीपिंग मशीन, 5 गॉबलर और 100 से अधिक कचरा उठाने वाले मशीनों/वाहनों की 24 घण्टे मॉनिटरिंग तथा सुपरविजन किया जा रहा है। कमाण्ड सेन्टर 3 शिफ्टों में 24 घण्टे सफाई व्यवस्था और ठोस कचरा प्रबंधनको सुदृढ़ करने के लिए कार्यरत है। उक्त कमाण्ड सेन्टर की परियोजना तथा समुचित उपयोग को प्रदर्शित करने के लिये जयपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा स्कॉच अवार्डक लिये अप्लाई किया गया था, जिसमें पावर पॉइन्ट प्रजेन्टेशन, मीटिंगों और राउण्ड जैसे- क्रार्टर फाईनल, सेमीफाईनल इत्यादि विभिन्न स्तर को पास करके देश के विभिन्न संस्थानों में प्राप्त प्रविष्टियों में से जयपुर स्मार्ट सिटी के एकीकृतकमाण्ड एवं कन्ट्रोल सेन्टर का स्कॉच अवार्ड हेतु चयन किया गया।

संक्षिप्त समाचार

हज 2025ः हज यात्रियों की सुविधा के लिए हज खर्च जमा करने की तारीख 30 दिसंबर तक बढ़ाई गई,महिला कोटे में 500 सीटें जारी '

चमकता राजस्थान। जयपुर/नई दिल्ली (खलील कुरैशी)। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने महरम कोटे की 500 हज सीटें महिलाओं के लिए जारी की हैं। इसमें लॉटरी के माध्यम से सबसे अधिक महाराष्ट्र की महिलाओं को हज का मौका मिला है इसके बाद क्रमशः केरल, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और गुजरात आगे हैं। महरम श्रेणी में कुल 739 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनकी हज कमेटी ऑफ इंडिया के शाखा कार्यालय में कंप्यूटराइज्ड तरीके से लॉटरी (कुरआंदाज़ी) की गई। इसमें महाराष्ट्र से 92, केरल से 63, कर्नाटक से 56, उत्तर प्रदेश से 46, गुजरात से 41, मध्य प्रदेश से 34, तेलंगाना से 31, जम्मू-कश्मीर से 26, राजस्थान से 22, तमिलनाडु से 18, दिल्ली से 16, पश्चिम बंगाल से 15, आंध्र प्रदेश से 10, बिहार से 9, छत्तीसगढ़ से 4, असम, हरियाणा और दादर-नगर हवेली से 3-3, लक्षद्वीप और उत्तराखंड से 2-2 तथा अंडमान-निकोबार और पुदुचेरी से 1-1 महिला यात्रियों का चयन हुआ है चयनित यात्रियों की सूची हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर उपलब्ध है।हज कमेटी ऑफ इंडिया ने महरम कोटे में चयनित महिला यात्रियों और वेटिंग लिस्ट में शामिल यात्रियों से अपील की है कि वे 30 दिसंबर 2024 तक हज खर्च की पहली और दूसरी किस्त की कुल राशि 2,72,300 जमा करा दें।लॉटरी में चयनित उन यात्रियों को भी 30 दिसंबर तक राशि जमा करने की सुविधा दी गई है जिन्होंने अभी तक दूसरी किस्त 1,42,000 जमा नहीं की है।हज कमेटी ऑफ इंडिया ने भुगतान के लिए ई-पेमेंट की सुविधा भी उपलब्ध कराई है। हज यात्री हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट या हज सुविधा ऐप पर क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग और यूपीआई के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं।हज कमेटी ऑफ इंडिया ने यात्रियों को यह सुविधा भी दी है कि वे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) या यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) की किसी भी शाखा में निर्धारित फॉर्म के माध्यम से भी हज खर्च का भुगतान कर सकते हैं।हज यात्री भुगतान करने के बाद अपने मूल अंतरराष्ट्रीय पासपोर्ट (मशीन रीडेबल), मेडिकल स्क्रीनिंग और फिटनेस सर्टिफिकेट, हलफनामा, बैंक की पे स्लिप, ऑनलाइन हज आवेदन फॉर्म की डाउनलोड की गई प्रति, संबंधित दस्तावेज, जमा की गई राशि की पे-इन स्लिप/ऑनलाइन रसीद की प्रति, मेडिकल स्क्रीनिंग और फिटनेस सर्टिफिकेट तथा अन्य आवश्यक कागजात अपने प्रांतीय हज कमेटी के कार्यालय में 1 जनवरी 2025 तक जमा करा दें।अधिक जानकारी के लिए हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट https:www.hajcommittee.gov.in पर संपर्क किया जा सकता है।

जिले को मिली आयुष्मान एंबुलेंस , जिला कलक्टर ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण । धौलपुर,को राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने हेतु मुख्य मंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश को नई 108 आयुष्मान एंबुलेंस की सौगात दी है। उनमें से जिले को दो एंबुलेंस प्राप्त हुई, जिनमें एक एंबुलेंस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नादनपुर के लिए तथा एक एंबुलेंस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सैंपऊ को पुरानी एंबुलेंस के स्थान पर प्राप्त हुई है। सोमवार को जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जयंती लाल मीणा ने दोनों एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर जिला कलेक्ट्रेट परिसर से रवाना किया। इस दौरान जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने कहा कि बीमार, घायल या दुर्घटनाग्रस्त के लिए एंबुलेंस जीवनदायिनी का कार्य करती है। जरूरतमंद को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उसका जीवन बचाया जा सकता है। सीएमएचओ डॉ. मीणा ने कहा कि 108 एंबुलेंस मिलने से संबंधित क्षेत्र के मरीजों को आपातकालीन स्थिति में तत्काल चिकित्सा संस्थानों पर पहुंचने की सुविधा मिलेगी।

कांस्टेबल भर्ती—2023, माननीय उच्च न्यायालय ने खारिज की भर्ती से जुड़ी याचिकाएं

आगामी दिनों में रोजगार उत्सव में दिए जाएंगे सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति आदेश

चमकता राजस्थान

● पुलिस मुख्यालय ने दिए नियुक्ति आदेश जारी करने के सम्बंध में अग्रिम तैयारी के लिए दिशा–निर्देश

जयपुर, (खलील कुरैशी) 17 दिसम्बर। माननीय उच्च न्यायालय, जयपुर द्वारा कॉन्स्टेबल भर्ती-2023 से संबंधित एसबी सिविल रिट याचिका संख्या 20250/2023 द्वारा सौरभ कुमार व अन्य बनाम राज्य सरकार एवं अन्य 118 याचिकाओं को खारिज कर दिया है। इससे इस भर्ती पर- ीक्षा के सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति आदेश जारी करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इसे देखते हुए पुलिस मुख्यालय की ओर से आगामी दिनों में रोजगार उत्सव के तहत नियुक्ति पत्र प्रदान करने की दिशा में तैयारी आरम्भ कर दी गई है।अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड बिपिन कुमार पाण्डेय ने बताया कि एसबी सिविल रिट याचिका संख्या 39/2023 द्वारा विकास बाजिया व अन्य बनाम राज्य सरकार व अन्य में माननीय उच्च न्यायालय जयपुर द्वारा पारित आदेश 01 फरवरी, 2024 की पालना में कॉन्स्टेबल भर्ती-2023 के लिए विज्ञापित 3578 पदों के विरूद्ध चयनित अभ्यर्थियों के नियुक्ति आदेश अग्रिम आदेश तक जारी नही करने के लिए निर्देश प्रदान किये गये थे। अब न्यायालय द्वारा इस भर्ती से सम्बंधित याचिकाओं को खारिज कर दिया गया है इस संदर्भ में सभी सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर नियुक्ति आदेश जारी करने के सम्बंध में अग्रिम तैयारी के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। पांडे ने बताया कि रोजगार उत्सव की तिथि निर्धारण होने तक पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) सहित जयपुर और जोधपुर के पुलिस उपायुक्तों और अन्य सम्बंधित जिलों के पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया गया है कि वे इस दौरान चयनित अभ्यर्थियों (रिव्यू में चयनित अभ्यर्थियों सहित) की नियुक्ति संबंधी नियमानुसार समस्त औपचारिकताएँ यथा- स्वास्थ्य परीक्षण/चरित्र सत्यापन/ दस्तावेज सत्यापन आदि की कार्यवाही आगामी 3 दिनों में पूर्ण करवाया जाना सुनिश्चित करें। साथ ही नियुक्ति आदेश का प्रारूप तैयार रखें ताकि रोजगार उत्सव की तिथि नियत होने पर पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार शीघ्र नियुक्ति आदेश प्रसारित किये जा सके। उन्होंने बताया कि रोजगार उत्सव की तिथि नियत होने पर नियुक्ति आदेश जारी करने के सम्बंध में पुलिस मुख्यालय द्वारा पृथक से निर्देश प्रदान किये जायेंगे।

बीजेएसएस पत्रकार संघ ने बार अध्यक्ष का किया शानदार स्वागत

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण/धौलपुर। भारतीय पत्रकार सेवा संस्थान (बीजेएसएस) के सदस्यों ने अभिभाषक संघ धौलपुर के अध्यक्ष एडवोकेट प्रशांत हुंडावाल का दूसरी बार भा- री बहुमत से अध्यक्ष चुने जाने पर शानदार स्वागत किया। इस अवसर पर बार अध्यक्ष को साफा, माला और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत समिति के पूर्व प्रधान मोनू जादौन ने की,आज के मुख्य अतिथि पत्रकार संघ के प्रदेश महासचिव गोपेश राज पचौरी रहे। कार्यक्रम संयोजक पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष अनुराग मुद्गल रहे। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार दुर्गा शरण दुबे ने किया। इस दौरान भक्ति संगीत और श्री हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया। कार्यक्रम में बार अध्यक्ष एडवोकेट प्रशांत हुंडावाल के मृदु और सरल व्यवहार की सभी ने सराहना की और उन्हें उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार मुकेश सूतैल, संदीप शर्मा, हरबीर शर्मा, पुष्पेंद्र वघेला, आकाश पचौरी, राकेश शर्मा, गिरीश शर्मा, जय सिंह गुर्जर, रमाकांत शर्मा, सुनील जगरिया, सोमेंद्र मंगल, ओमेश शर्मा, रनीश तिवारी, विजय शर्मा, राजेश रस्तोगी, पवन चंसौरीया, रामदास तरुण सहित अन्य पत्रकार बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उपरांत सभी उपस्थित लोगों के लिए अन्नकूट प्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें पत्रकारों और अन्य अतिथियों ने भाग लिया और कार्यक्रम का समापन हुआ।

विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. हरिदेव जोशी को पुष्पांजलि

चमकता राजस्थान। जयपुर! (खलील कुरैशी) 17 दिसम्बर। विधानसभा में मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री स्व. हरिदेव जोशी को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व विधायक नवरंग सिंह, विधान सभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा सहित विधानसभा के अधिकारीगण एवं कर्मचारियों ने स्व. जोशी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और प्योर इंडिया ट्रस्ट महिलाओं को बना रहे हैं आत्मनिर्भर

चमकता राजस्थान/ करौली। राजस्थान के बारां, जयपुर और करोली जिलों में 2020 से एयू उधोगिनी प्रोजेक्ट के तहत एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और प्योर इंडिया ट्रस्ट द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सतत प्रयास जारी हैं। इसी कड़ी में आज हिन्डोन सिटी के आसपास के 13 गांवों में 36 विभिन्न प्रकार के व्यवसाय जैसे कि किराना शॉप, कॉस्मेटिक, ब्यूटी पार्लर, फास्ट फूड, टेलरिंग शॉप, स्टेशनरी शॉप और राजपूती परिधान की दुकानों को खोलने का कार्य किया गया है। इस पहल से गांव की महिलाएं रूढ़िवादी सोच को पीछे छोड़कर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं। पहले जो महिलाएं केवल 1000 से 1500 प्रति माह कमा पाती थीं, अब वे इस प्रोजेक्ट के माध्यम से 10,000 से 15,000 प्रति माह कमा रही हैं। इस आत्मनिर्भरता से ना सिर्फ उनका आर्थिक स्तर सुधर रहा है, बल्कि सामाजिक और शैक्षिक स्तर पर भी बदलाव देखने को मिल रहा है। अब तक इस प्रोजेक्ट के तहत राजस्थान में 1000 से अधिक महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा चुका है। कार्यक्रम में महिलाओं को उनके कार्यक्षेत्र के लिए प्रशिक्षण भी दिया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महिला थाना प्रभारी सुमन चौधरी ने महिलाओं को उनके अधिकारों और साइबर सुरक्षा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया और कहा कि उन्हें हर कार्यक्षेत्र में आगे आना चाहिए। इस अवसर पर प्योर इंडिया ट्रस्ट के प्रतिनिधि खुशबिहारी व्यास ने बताया कि इस प्रोजेक्ट का मार्गदर्शन संस्थापक प्रशांत पाल द्वारा किया जा रहा है, और इसमें कई महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं, ताकि महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना सकें। कार्यक्रम में प्रोजेक्ट मैनेजर राकेश कुमार शर्मा, कैलाश वर्मा, राजेंद्र शर्मा और एयू उधोगिनी महिलाएं उपस्थित रहीं। सभी ने एयू फाउंडेशन और प्योर इंडिया ट्रस्ट का धन्यवाद किया और उनके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। यह पहल न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही है, बल्कि समग्र समाज में बदलाव और जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

प्रदर्शनी के माध्यम से आमजन ने किया अपना ज्ञानवर्धन

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का समापन

एक ही स्थान पर राज्य सरकार के सभी विभागों की योजनाओं को जानने का मिला मौका

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 17 दिसंबर। राज्य सरकार के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा जवाहर कला केंद्र में आयोजित की जा रही तीन दिवसीय राज्य स्तरीय प्रदर्शनी 'एक वर्ष परिणाम उत्कर्ष' का मंगलवार को समापन हुआ। तीन दिनों के लिए संचालित की गई इस प्रदर्शनी में युवाओं का विशेष उत्साह देखने को मिला। अंतिम दिन भी प्रदर्शनी आमजन की जिज्ञासा एवं उत्सुकता का विषय बनी रही। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रदर्शनी में संचालित की गई chillax प्रश्नोत्तरी में आमजन विशेषकर युवाओं ने सक्रिय प्रतिभागी बनकर प्रदेश के सामान्य ज्ञान का अर्जन किया प्रदर्शनी में पुलिस अधीक्षक राजेश कांवट ने राजस्थान पुलिस द्वारा साइबर क्राइम की रोकथाम के लिए किए जा रहे नवाचारों पर प्रकाश डाला। पुलिस निरीक्षक श्री गजेंद्र शर्मा ने मनोरंजक प्रश्नोत्तरी के माध्यम से साइबर क्राइम के संबंध में आमजन के साथ उपयोगी जानकारी साझा की। इसी प्रकार सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की स्टॉल पर विभिन्न गतिविधियों एवं उपलब्ध साहित्य के माध्यम से भी स्कूल कॉलेज के विद्यार्थियों ने राज्य सरकार द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रतियोगी पर- ीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवा मोहित ने प्रदर्शनी को एक सफल आयोजन बताते हुए कहा कि यह प्रदर्शनी राज्य सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियों को जानने का बहुत ही कारगर माध्यम साबित हुई है। यहां पर सभी विभागों की स्टॉल पर वितरित हो रहा साहित्य एवं chillax प्रश्नोत्तरी द्वारा हम प्रदे- श से संबंधित अपनेसामान्य ज्ञान का आकलन कर पाए हैं। प्रदर्शनी का समापन देश प्रदेश के कलाकारों ने संस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से किया।

संक्षिप्त समाचार

लव सिंह राठौड़ ने प्रो. अरुण चौधरी से की मुलाकात, महाविद्यालय के विकास पर हुई चर्चा

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। धौलपुर जिले के राजाखेड़ा उपखण्ड के रहने वाले दिल्ली विश्वविद्यालय के वञ्छ छात्र राजदूत लव सिंह राठौड़ ने अरविंद महाविद्यालय के नव नियुक्त प्राचार्य प्रो. डॉ. अरुण चौधरी से उनके कार्यालय में एक आत्मीय मुलाकात की। इस अवसर पर, लव सिंह राठौड़ ने प्रोफेसर डॉ. अरुण चौधरी को उनके नए दायित्व के लिए बधाई दी। और उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

लव सिंह ने प्रो. चौधरी के शिक्षण, अनुसंधान और प्रशासनिक अनुभव की सराहना की और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में महाविद्यालय शैक्षिक क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुएगा। प्रो. डॉ. अरुण चौधरी के नेतृत्व में कॉलेज के सामाजिक, सांस्कृतिक और खेलों के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण प्रगति होगी, ऐसा लव सिंह ने कहा। इस मुलाकात के दौरान लव सिंह राठौड़ ने महाविद्यालय के विकास के बारे में प्राचार्य से विस्तृत बातचीत की और उनके दृष्टिकोण को समझा। उन्होंने यह अवसर महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि महाविद्यालय के सभी क्षेत्रों में नए शिखर छूने के लिए यह दिशा अहम होगी। लव सिंह राठौड़ वर्तमान में अरविंद महाविद्यालय में कला स्नातक तृतीय वर्ष के छात्र हैं और वे दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ के सांस्कृतिक अध्यक्ष और वञ्छ छात्र राजदूत के रूप में कार्यरत हैं। उनकी यह मुलाकात महाविद्यालय के भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत मानी जा रही है।

विधायक विकास चौधरी ने किया राजस्थान युवा कांग्रेस का पोस्टर विमोचन

- **चमकता राजस्थान रघुनंदन पारीक श्रीनगर अजमेर**

चमकता राजस्थान/मदनगंज किशनगढ़। राज.प्रदेश युवा कांग्रेस द्वारा बेरोजगारी के खिलाफ 21 दिसंबर को ₹महासंग्राम₹ (मुख्यमंत्री निवास घेराव) का कार्यक्रम किया जाएगा । अजमेर देहात युवा कांग्रेस के द्वारा पोस्टर विमोचन विधायक निवास पर किया गया। विधायक चौधरी ने बताया कि प्रदेश में पिछले 1 साल से भारतीय जनता पार्टी की सरकार है । सरकार ने युवाओं से नौकरियां देने का वादा किया था, जिसमें वह विफल रही । नींद में सोई भारतीय जनता पार्टी की सरकार को युवा कांग्रेस द्वारा घेराव कार्यक्रम करके जगाया जाएगा ।

पोस्टर विमोचन में किशनगढ़ विधायक डॉ. विकास चौधरी, युवा कांग्रेस के जिला प्रभारी डॉ. सुनील चौधरी, युवा कांग्रेस के वरिष्ठ प्रदेश सचिव अकबर हुसैन, जिलाध्यक्ष भूपेंद्रपाल पंवार, किशनगढ़ युवा कांग्रेस के अध्यक्ष तेजपाल बजाड, दीपक बिरला, एनएसयूआई के छात्र नेता कमल डीडवानिया सहित सैकड़ो युवा कांग्रेस के पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहें..

चतुर्थ वार्ड कप क्रिकेट प्रतियोगिता में रोमांचक मुकाबले, सलमान खान और मनीष बघेल बने मैन ऑफ द मैच

चमकता राजस्थान/धौलपुर रामदास तरुण। बाड़ी। बाड़ी के महाराणा प्रताप खेल मैदान में युवा क्रिकेट एसोसिएशन और केसीसी द्वारा आयोजित चतुर्थ वार्ड कप क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रतिदिन रोमांचक मुकाबले हो रहे हैं, जिनका दर्शक और खेल प्रेमी आनंद ले रहे हैं। मंगलवार को प्रतियोगिता के तीसरे दिन दो मैच खेले गए। पहले मैच में वार्ड नंबर 15 ने वार्ड नंबर 44 को 12 रनों से हराया। वार्ड 15 ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 148 रन बनाए, जिसमें सलमान खान ने 47 रन बनाए। जवाब में वार्ड 44 की टीम 136 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। सलमान खान को उनकी शानदार पारी के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया और उन्हें सम्मान पुरस्कार बाड़ी फर्स्ट ट्रैक न्यूज़ रिपोर्टर मलिक इमरान खान द्वारा दिया गया।

दूसरे मैच में वार्ड नंबर 37 ने वार्ड नंबर 9 को 13 ओवर में हराया। वार्ड 9 की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 113 रन पर ऑल आउट हो गई। वार्ड 37 ने यह लक्ष्य आसानी से 13वें ओवर में प्राप्त कर लिया। मनीष बघेल ने 6 विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता। इस मौके पर युवा खेल प्रेमी और प्रतियोगिता के प्रमुख आयोजक ओमवीर सिंह परमार, संरक्षक सुगर सिंह अंदाना मामा, बड़ी खेल सचिव श्याम रॉय, आमिर खान, रामनारायण भगत और अन्य कमेटी सदस्य उपस्थित थे।

विपरपुर में आयोजित भीम जागरण कार्यक्रम, शिक्षा और सामाजिक जागरूकता पर जोर

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण । धौलपुर जिले के विपरपुर गांव में समता सैनिक दल द्वारा आयोजित भीम जागरण सामाजिक जन जागृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गांव में पहली बार तथा जिले में 86वां जागरण कार्यक्रम था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रामनाथ पोसवाल, सरपंच, और अध्यक्षता गांव के बुजुर्ग नत्थीलाल बाबा ने की। विशिष्ट अतिथियों में समता सैनिक दल के राष्ट्रीय सचिव बी. के. कंचन बौद्ध, जिला अध्यक्ष राकेश राजोरिया, और अन्य प्रमुख लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुरैना से बुद्ध गाथा वाचक सुमन प्रताप बौद्ध, भिंड-मुरैना से राजेश बौद्ध, फिरोजाबाद से शिवानी बौद्ध, धौलपुर से जगन्नाथ गौतम, आरती बौद्ध, आयना कंचन बौद्ध, और दिनेश टाइगर जैसे गायकों ने समाज में पनप रही कुरीतियों जैसे जुआ, सट्टा, शराब, मृत्यु भोज आदि के खिलाफ जन जागरूकता अभियान चलाया और समाज को एकजुट होने और संघर्ष करने की प्रेरणा दी। इसके अलावा, ₹बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ₹ और ₹शिक्षित बनो, संगठित रहो₹ जैसे महत्वपूर्ण संदेश दिए गए।कार्यक्रम में 2024 में कक्षा 10वीं और 12वीं में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही गांव के बुजुर्गों और आस-पास के गांवों से आए हुए लोगों का भी भव्य स्वागत किया गया। मंच पर मुख्य अतिथि और अन्य व्यक्तियों को गौतम बुद्ध, ज्योतिबा फुले और बाबा साहब अंबेडकर जी की तस्वीरें देकर पुष्प मालाओं से सम्मानित किया गया।

समता सैनिक दल के राष्ट्रीय सचिव बी. के. कंचन बौद्ध ने बताया कि उनका संगठन बाबा साहब अंबेडकर के विचारों को फैलाने और समाज के लिए कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरपंच रामनाथ पोसवाल ने भी अपने संबोधन में बाबा साहब के विचारों का हवाला देते हुए कहा कि ₹शिक्षा शेरनी के दूध के समान है, जो इसे पिएगा वही ताकतवर बनेगा,₹ और गांव में सभी समाजों को भाईचारे और एकता के साथ रहने का आ''ान किया। कार्यक्रम में मनिया, टांडा, फिरोजपुर, धर्मपुरा, सैंपऊ, दूबरा, अल्हेपुरा, दरियापुर, तोर, मुस्तफाबाद, बरेलपुरा सहित अन्य गांवों से हजारों लोग एकत्रित हुए और कार्यक्रम को सफल बनाने में भाग लिया।

पलभर में उजड़ गया परिवार !

इकलौते पुत्र का शव देखते ही पिता ने भी तोड़ा दम, सड़क हादसे में हुई थी बेटे की मौत

मधुबनी/एजेंसी

बिहार के पूर्वी चंपारण से दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है, जहां इकलौते पुत्र के शव से लिपटकर पिता ने भी जान दे दी। पिता और बेटे की मौत के साथ ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। ये मौत हर उस आंख को नम कर गई है, जिसने पुत्र के शव से लिपटकर पिता को बेजान होते हुए देखा या सुना। मधुबनी जिला के सकरी थाना क्षेत्र में शनिवार की देर रात हुई सड़क दुर्घटना में पूर्वी चंपारण जिले के घोड़ासहन निवासी पिकअप चालक सहित दो लोगों की मौत घटना स्थल पर ही हो गई। इस दौरान पिकअप पर सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हादसे में घोड़ासहन के महुआही गांव निवासी महिन्द्रा राय के इकलौते पुत्र जयलाल प्रसाद यादव उर्फ पच्चू राय (37) तथा गुलरिया टोला निवासी विद्यानंद राम के पुत्र अमरजीत कुमार (25) की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। तीन युवक हरेंद्र पंडित, लव कुमार तथा कन्हैया कुमार घायल हो गए। दोनों मृतकों के पार्थिव शरीर सोमवार को उनके गांव पहुंचा। घोड़ासहन के महुआही गांव निवासी महेंद्र राय का इकलौता पुत्र था जयलाल। इकलौते पुत्र के शव से लिपट गए महेंद्र राय। धीरे-धीरे आती महेंद्र राय की सिसकियां मद्धिम पड़ती गईं और पुत्र के शव से लिपटे हुए ही न जाने कब और कैसे उनकी सांसें भी सदा के लिए थम गईं। जवान जयलाल की मौत का मातम कोहराम में बदल गया। महज छह माह पूर्व ही जयलाल की मौत हुई थी। फिर शनिवार की देर शाम जयलाल की सड़क हादसे ने जान ले ली। और जयलाल के साथ उसके पिता ने भी दम तोड़ दिया। जयलाल की पूरी की पूरी गृहस्थी ही उजड़ गई।

2 बच्चों की मां का 18 साल के युवक पर आया दिल, प्रेमी से करा दिया पति का कत्ल

नोएडा/एजेंसी। नोएडा पुलिस ने ग्रेटर नोएडा में कासना इलाके के सिरसा गांव में गुरुवार की रात हुई एक युवक बनी सिंह की हत्या के मामले का खुलासा किया है। पुलिस का दावा है कि मृतक की पत्नी ममता ने मारपीट से परेशान होकर अपने प्रेमी बहादुर सिंह से पति की हत्या करवाई थी। पुलिस ने आरोपी महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त कटार बरामद की है। ग्रेटर नोएडा के एडीसीपी अशोक कुमार ने बताया कि बुलंदशहर का रहने वाला बनी सिंह उर्फ विशाल सिरसा गांव में किराये के मकान में परिवार के साथ रहता था। बनी सिंह की शादी 8 साल पहले अतरौली अलीगढ़ की रहने वाली ममता से हुई थी। इनके दो बच्चे भी हैं। 13 दिसंबर की सुबह बनी सिंह का शव उसके कमरे में लहूलुहान हालत में पड़ा मिला था। कासना कोतवाली पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर घटना का खुलासा किया है। पुलिस ने इस घटना में बनी सिंह की पत्नी ममता और उसके प्रेमी बहादुर सिंह को गिरफ्तार किया। पुलिस को पूछताछ में पता चला है कि ममता ने अपने प्रेमी बहादुर सिंह से बनी सिंह की हत्या करवाई थी। पुलिस पूछताछ में आरोपी बहादुर सिंह ने बताया कि वह 12 दिसंबर की रात प्रेमिका ममता के कहने पर उसकी मौसी का लड़का बनकर बनी सिंह के कमरे पर पहुंचा था। यहां रात में दोनों ने एक साथ मिलकर खाना खाया। इस दौरान बनी सिंह ने शराब पी थी और वह रात में सो गया। इस बीच मौका पाकर बहादुर ने कटार से बनी सिंह की गर्दन पर वार कर उसकी हत्या कर दी थी और वहां से फरार हो गया था। पुलिस ने आरोपी बहादुर सिंह के पास से घटना में इस्तेमाल हुई धारदार कटार बरामद कर ली है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश करने के बाद जेल भेज दिया।

यमुना एक्सप्रेस वे पर भीषण हादसा, 2 कार-टैंकर में टक्कर, 4 की मौत

आगरा/एजेंसी। उत्तर प्रदेश के यमुना एक्सप्रेस वे पर देर रात भीषण हादसा हो गया। इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक की हालत गंभीर हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के अस्पताल भेजा है। साथ ही, शवों को कब्जे में ले लिया है। यह हादसा आगरा के थाना खंदौली क्षेत्र में किलोमीटर 161 पर हुआ। यमुना एक्सप्रेस वे के 161वें किलोमीटर पर ट्रक और कैंटर की टक्कर हो गई। इस टक्कर की वजह से कैंटर बीच रास्ते में खड़ी हो गई। इसी बीच, पीछे से आ रही कार रुकी और उसमें बैठे लोग कैंटर गाड़ी के चालक और क्लीनर का हाल-चाल जानने लगे। तभी पीछे से आई कार ने 5 लोगों को रौंद दिया। इसमें 4 की मौके पर मौत हो गई जबकि एक की हालत गंभीर है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, रात करीब 1:00 बजे यह हादसा हुआ। हादसे की सूचना को पुलिस को लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल व्यक्ति को एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। वहीं, मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

जयपुर में बोले पीएम मोदी

किसानों के नाम पर सिर्फ बड़ी-बड़ी बातें, राज्यों के बीच कांग्रेस जल विवाद बढ़ाती रही

जयपुर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को जयपुर में 45 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि ये प्रोजेक्ट राजस्थान में पानी की समस्या का स्थायी समाधान करेंगे। इससे राजस्थान में निवेश को बल मिलेगा और रोजगार के अनगिनत अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि इन प्रोजेक्ट से राजस्थान के किसानों, युवाओं और पर्यटन को बहुत फायदा होगा। पीएम ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन की सरकारें सुशासन का प्रतीक बन रही हैं।

किसानों के नाम पर बड़ी-बड़ी बातें करती है कांग्रेस

राजस्थान सरकार के एक साल पूरा होने पर 'एक वर्ष-परिणाम उत्कर्ष' कार्यक्रम का आयोजन किया। पीएम मोदी ने जयपुर के दादिया में एक बड़ी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस किसानों के नाम पर बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। मगर न तो उनके लिए कुछ करती है और न ही दूसरों को करने देती है।

जल विवाद को बढ़ावा देती रही कांग्रेस

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस कभी लोगों के जीवन से पानी की मुश्किलें कम नहीं करना चाहती है। हमारी नदियों का पानी बहकर सीमा पार चला जाता था। मगर हमारे किसानों को इसका लाभ नहीं मिल पाता था। कांग्रेस समाधान की बजाय राज्यों के बीच जल विवाद को ही बढ़ावा देती रही। राजस्थान ने तो इस कूनीति की वजह से बहुत कुछ भुगता है।

हम विवाद नहीं, संवाद में यकीन रखते

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को लंबे समय तक लटकाया। यह भी कांग्रेस की नीयत का प्रत्यक्ष प्रमाण है। कांग्रेस किसानों के नाम पर बड़ी-बड़ी बातें करती है। मगर न तो खुद कुछ करती है और न ही दूसरों को करने देती है। पीएम ने कहा कि भाजपा की नीति विवाद की नहीं, संवाद की है। हम विरोध में नहीं, सहयोग में विश्वास रखते हैं।

भाजपा सुशासन की गारंटी है

पीएम मोदी ने कहा कि जिन राज्यों में चुनाव हुए, वहां भाजपा को भारी जनसमर्थन मिल रहा है। देश ने भाजपा को लगातार तीसरी बार लोकसभा में देश की सेवा करने का मौका दिया है। पिछले 60 सालों में भारत में ऐसा नहीं हुआ। आज भाजपा की डबल इंजन सरकारें सुशासन का प्रतीक बन रही हैं। भाजपा जो भी संकल्प लेती है, उसे पूरा करने के लिए ईमानदारी से प्रयास करती है। आज देश की जनता कह रही है कि भाजपा सुशासन की गारंटी है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप ने दिया रहस्यमयी ड्रोन दिखाई देने पर उसे मार गिराने का निर्देश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के विभिन्न हिस्सों में दिखाई देने वाले रहस्यमयी ड्रोन को ''मार गिराने'' का निर्देश दिया है। रहस्यमयी ड्रोन सबसे पहले न्यू जर्सी में देखे गए थे लेकिन उसके बाद से अब इस प्रकार के ड्रोन अन्य स्थानों पर भी दिखाई देने लगे हैं। हालांकि अमेरिकी सरकार और व्हाइट हाउस ने अब तक यही कहा है कि इनसे राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है और न ही इसमें किसी विदेशी हाथ होने का कोई सबूत है लेकिन फिर भी रहस्यमयी ड्रोन का दिखना जांच का विषय है। ट्रंप ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, ''देश भर में रहस्यमयी ड्रोन दिखाई दिए हैं। क्या यह वास्तव में हमारी सरकार की जानकारी के बिना हो रहा है? मुझे ऐसा नहीं लगता, या तो जनता को इसके बारे में अभी जानकारी दो अथवा उन्हें मार गिराओ।'' ट्रंप ने इस पोस्ट के अंत में अपने हस्ताक्षर भी किए। इससे पहले बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति कार्यालय एवं राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास व्हाइट हाउस ने कहा था कि अभी तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है कि ड्रोन देखे जाने की कथित घटनाएं राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा हैं या उनका किया अन्य देश से संबंध है। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने संवाददाताओं को बताया कि आंतरिक सुरक्षा मंत्रालय और एफबीआई इन घटनाओं की जांच कर रहे हैं, तथा यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ये ड्रोन कहां से आ रहे हैं। किर्बी ने कहा, '' अमेरिका का तट रक्षक बल न्यूजर्सी को सहयोग दे रहा ।महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी भी प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में ड्रोन दिखाई देने की कोई सूचना नहीं है....।

एंटनी ब्लिंकन ने बगदाद में इराकी प्रधानमंत्री से की मुलाकात, कहा- सीरिया को आतंकवादियों का गढ़ नहीं बनना चाहिए

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश सचिव एंटनी ब्लिंकन ने शुक्रवार को बगदाद में इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल सुदानी से मुलाकात की। इस दौरान पड़ोसी देश सीरिया के भविष्य पर बातचीत की। सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार के तख्तापलट के बाद ब्लिंकन की बगदाद यात्रा उनके मध्य पूर्व दौरे का अंतिम पड़ाव था। अमेरिकी विदेश सचिव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, इराकी पीएम सुदानी और मैं सीरिया के ताजा घटनाक्रम पर चर्चा करने के लिए मिले। मैंने इराक की सुरक्षा, स्थिरता और संप्रभुता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को बताया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ब्लिंकन और अल सुदानी ने सीरिया में तानाशाही से लोकतंत्र लाने की आवश्यकता पर चर्चा की, ताकि सभी अल्पसंख्यकों को शामिल किया जा सके और उनकी सुरक्षा की जा सके। सीरिया आंतकवादियों का गढ़ नहीं होना चाहिए यह कहते हुए उन्होंने कहा कि हमने इस क्षेत्र और उससे परे कई देशों की प्रतिबद्धता पर चर्चा की कि सीरिया असद तानाशाही से लोकतंत्र की ओर बढ़ रहा है। यह निश्चित रूप से सीरिया में सभी अल्पसंख्यकों की रक्षा करता है, जिससे एक समावेशी, गैर-सांप्रदायिक सरकार बनती है। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि यह इराक के लिए अपनी संप्रभुता के साथ-साथ अपनी स्थिरता, सुरक्षा और संभुप्रता को मजबूत करने का समय है। कई वर्ष पहले इराक और सीरिया में आईएसआईएस (जिसे दाएश के नाम से भी जाना जाता है) द्वारा छेड़ी हुई लड़ाई को सफलतापूर्वक खत्म करने के लिए अमेरिका और इराक द्वारा उठाए संयुक्त कदम पर भी बात की। एंटनी ब्लिंकन ने कहा, अमेरिका और इराक ने उस क्षेत्र को छीनने में सफलता हासिल की है, जिसे दाएश ने वर्षों पहले बनाया था। इराक से ज्यादा कोई भी इसके महत्व को नहीं जानता क्योंकि सीरिया में आईएसआईएस या दाएश की मौजूदगी जारी है और हम यह सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ हैं कि दाएश फिर से उभर न सके।

दक्षिण अफ्रीकी बिजलीघर में विस्फोट में 9 कर्मचारी घायल

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीकी बिजली कंपनी एस्कॉम के माटला पावर स्टेशन में हुए विस्फोट में नौ कर्मचारी घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। एस्कॉम ने शुक्रवार को कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि यूनिट 6 के ट्रांसफॉर्मर में उच्च दबाव वाली भाप स्टील पाइप टूटने के कारण यह विस्फोट हुआ। इसके परिणामस्वरूप जोरदार धमाका हुआ और यूनिट 6 क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति बंद हो गई। एस्कॉम ने कहा कि इस घटना के कारण काफी धूल और बिजली की कमी हुई, जिससे स्थिति का पूरा आकलन शुक्रवार सुबह तक नहीं किया जा सका। तकनीकी टीमें मौके पर हैं और वे नुकसान, काम के दायरे और मरम्मत के लिए आवश्यक समय का आकलन कर रही हैं। इस घटना में नौ कर्मचारी जलने से घायल हुए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। दो की स्थिति अर्ध-गंभीर है, लेकिन सभी स्थिर हैं। बाकी छह कर्मचारियों को कम गंभीर चोटें आईं। हालांकि, इस घटना का लोड शेडिंग पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

स्विट्ज़रलैंड ने तरजीही देश का दर्जा वापस लिया, 1 जनवरी से इन्हें होगा नुकसान

बर्न, एजेंसी। स्विट्जरलैंड एक जनवरी, 2025 से भारतीय कंपनियों के उस देश में अर्जित डिविडेंड पर 10 फीसदी टैक?स लगाएगा। इससे स्विट्जरलैंड में काम करने वाली भारतीय कंपनियों पर अधिक ञ्झ्रु× लगने के साथ भारत में स्विस निवेश पर असर पड़ने की आशंका है।

स्विट्जरलैंड ने दोहरे कराधान से बचाव के लिए भारत के साथ हुए समझौते में सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र के प्रावधान को निलंबित कर दिया है। इस फैसले के बाद स्विट्जरलैंड में काम करने वाली भारतीय कंपनियों पर अधिक ञ्झ्रु× लगने के साथ भारत में स्विस निवेश पर असर पड़ने की आशंका है। स्विट्जरलैंड के वित्त विभाग ने 11 दिसंबर को अपने एक बयान में एमएफएन दर्जा वापस लेने की जानकारी देते हुए कहा कि यह कदम भारत के सुप्रीम कोर्ट के पिछले साल आए एक फैसले के संदर्भ में उठाया गया है। स्विट्जरलैंड ने अपने इस निर्णय के लिए 2023 में नेस्ले से संबंधित एक मामले में आए उच्चतम न्यायालय के एक फैसले का हवाला दिया। डिब्बाबंद खाद्य उत्पादों के कारोबार में लगी नेस्ले का मुख्यालय स्विट्जरलैंड के वेवे शहर में है।

क्या कह रहे एक्सपर्ट्स : स्विस सरकार के इस फैसले पर कर परामर्शदाता नांगिया एंडरसन में कर साझेदार संदीप झुनझुनवाला ने कहा कि अब स्विट्जरलैंड में काम करने वाली भारतीय इकाइयों की टैक्स देनदारियां बढ़ सकती हैं। एकेएम ग्लोबल फर्म में कर साझेदार अमित माहेश्वरी ने कहा कि इससे भारत में स्विस निवेश प्रभावित हो सकता है, क्योंकि एक जनवरी, 2025 या उसके बाद अर्जित आय पर मूल दोहरे कराधान संधि में उल्लिखित दरों पर कर लगाया जा सकता है।

क्या है तरजीही राष्ट्र दर्जा : यह दर्जा एक प्रोटोकॉल है जो भारत और स्विट्ज़रलैंड के बीच दोहरा कराधान बचाव समझौते का हिस्सा है। स्विट्ज़रलैंड ने कहा कि इस समझौते के तरजीही राष्ट्र के प्रावधान को निलंबित कर दिया गया है। यह दर्जा वापस लेने का मतलब है कि स्विट्जरलैंड एक जनवरी, 2025 से भारतीय कंपनियों के उस देश में अर्जित डिविडेंड पर 10 फीसदी टैक?स लगाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया था यह आदेश : यह फैसला पिछले साल भारत के सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद आया है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि डीटीएए को तब तक लागू नहीं किया जा सकता जब तक कि इसे आयकर अधिनियम के तहत अधिसूचित न किया जाए। इस फैसले का मतलब था कि नेस्ले जैसी स्विस कंपनियों को डिविडेंड पर अधिक टैक्स देना होगा। सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को पलट दिया था। उस आदेश ने यह सुनिश्चित किया था कि विदेशी संस्थाओं में या उनके लिए काम करने वाली कंपनियों और व्यक्तियों पर दोहरा कराधान न हो।

भारत में निवेश पर असर पड़ने की आशंका : टैक्स विशेषज्ञों का कहना है कि स्विट्जरलैंड के इस कदम से भारत में निवेश प्रभावित हो सकता है। कारण है कि डिविडेंडड पर ज्यादा विदहोल्डिंग टैक्स लगेगा। यह इस साल मार्च में हस्ताक्षरित एक व्यापार समझौते के तहत चार देशों के यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ की ओर से 15 साल की अवधि में भारत में 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता के लिए जोखिम पैदा करता है। ईएफटीए आइसलैंड, लिकटेंस्टाइन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड का एक अंतर सरकारी समूह है।

फिर से बातचीत की जरूरत होगी : विदेश मंत्रालय : भारत ने शुक्रवार को कहा कि यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के सदस्य देशों के साथ व्यापार समझौते के मद्देनजर स्विट्जरलैंड के साथ उसकी दोहरी कराधान संधि पर फिर से बातचीत की जरूरत पड़ सकती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, 'मेरी समझ से स्विट्जरलैंड के साथ ईएफटीए के कारण हमारी दोहरी कराधान संधि पर फिर से बातचीत होने जा रही है। यह इसका एक पहलू है।'

रिपब्लिकन ने अमेरिकी सदन में हासिल किया बहुमत, कांग्रेस पर रहेगा पूरा कंट्रोल

वाशिंगटन, एजेंसी। नवर्वाचित राष्ट्रपति ने देश के अब तक के सबसे बड़े निर्वासन अभियान को अंजाम देने, कर छूट बढ़ाने, अपने राजनीतिक दुश्मनों को दंडित करने, संघीय सरकार के सबसे शक्तिशाली उपकरणों पर नियंत्रण हासिल करने और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नया आकार देने का वादा किया है। जीओपी चुनाव की जीत यह सुनिश्चित करती है कि कांग्रेस उस एजेंडे में शामिल होगी, और डेमोक्रेट इसे रोकने के लिए लगभग शक्तिहीन होंगे।

रिपब्लिकन ने अमेरिकी सदन को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त सीटें जीत ली हैं, जिससे पार्टी सत्ता में आ गई है और निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ अमेरिकी सरकार पर अपनी पकड़ सुरक्षित कर ली है। एरिजोना में हाउस रिपब्लिकन की जीत के साथ-साथ कैलिफोर्निया में जीओपी को 218 हाउस की जीत दिलाई जो बहुमत बनाती है। रिपब्लिकन ने पहले डेमोक्रेट से सीनेट पर नियंत्रण हासिल किया था। कठिन संघर्ष के बावजूद कम बहुमत के साथ, रिपब्लिकन नेता संघीय सरकार को उखाड़ फेंकने और देश के लिए ट्रम्प के दृष्टिकोण को तेजी से लागू करने के लिए जनादेश की कल्पना कर रहे हैं। नवर्वाचित राष्ट्रपति ने देश के अब तक के सबसे बड़े निर्वासन अभियान को अंजाम देने, कर छूट बढ़ाने, अपने राजनीतिक दुश्मनों को दंडित करने, संघीय सरकार के सबसे शक्तिशाली उपकरणों पर नियंत्रण हासिल करने और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नया आकार देने का वादा किया है। जीओपी चुनाव की जीत यह सुनिश्चित करती है कि कांग्रेस उस एजेंडे में शामिल होगी, और डेमोक्रेट इसे रोकने के लिए लगभग शक्तिहीन होंगे।

जब ट्रम्प 2016 में राष्ट्रपति चुने गए, तो रिपब्लिकन ने भी कांग्रेस में जीत हासिल की, लेकिन फिर भी उन्हें अपने नीतिगत विचारों के प्रतिरोधी रिपब्लिकन नेताओं के साथ-साथ उदार बहुमत वाले सुप्रीम कोर्ट का सामना करना पड़ा। इस बार नही। जब वह व्हाइट हाउस लौटेंगे, तो ट्रम्प एक रिपब्लिकन पार्टी के साथ काम करेंगे जो उनके मेक अमेरिका ग्रेट अगेन आंदोलन और उनके द्वारा नियुक्त तीन न्यायाधीशों सहित रूढ़िवादी न्यायाधीशों के प्रभुत्व वाले सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूरी तरह से बदल दी गई है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले को लेकर बोले भारतीय अमेरिकी सांसद- समय आ गया है कि अमेरिका कार्रवाई करे

वॉशिंगटन, एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे हमलों के मुद्दे पर अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि अमेरिकी संसद इस मामले पर कार्रवाई करे। शेख हसीना सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद से ही श्री थानेदार लगातार हिंदुओं पर हो रहे हमलों का मुद्दा उठा रहे हैं। गुरुवार को व्हाइट हाउस ने बताया कि राष्ट्रपति जो बाइडन बांग्लादेश की स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं।

भारतीय अमेरिकी सांसद ने दी प्रतिक्रिया : बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले पर अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने कहा, भीड़ ने हिंदू मंदिरों को नष्ट कर दिया। अब समय आ गया कि इसपर अमेरिकी संसद और अमेरिकी सरकार कार्रवाई करें। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए हरसंभव उपकरण का अपयोग करने की आवश्यकता है। बांग्लादेश पर आरोप लगाते हुए थानेदार ने कहा, 1971 में पाकिस्तान से आजादी मिलने के बाद से ही बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा जारी है। हाल ही में हमने देखा कि एक हिंदू पुजारी को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके वकील की हत्या कर दी गई। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेस में कहा, शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में सुरक्षा स्थिति कठिन हो गई।

ओपन एआई पर आरोप लगाने वाले सुचिर बालाजी की मौत : अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में शव मिला

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) रिसर्चर सुचिर बालाजी 26 नवंबर को अपने अपार्टमेंट में मृत पाए गए थे। पुलिस को शक है कि 26 साल के इंडो-अमेरिकन सुचिर ने आत्महत्या की थी। शिकागो ट्रिब्यून के मुताबिक, पुलिस का कहना है कि उन्हें जांच में किसी भी तरह की गड़बड़ी के सबूत नहीं मिले हैं। 26 नवंबर का यह मामला 14 दिसंबर को चर्चा में आया। नवंबर 2020 से अगस्त 2024 तक ओपन एआई के लिए काम करने वाले सुचिर तब चर्चा में आए थे जब उन्होंने कंपनी को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए थे। न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए इंटरव्यू में सुचिर ने कहा था कि ओपन एआई का बिजनेस मॉडल स्टेबल नहीं है और इंटरनेट इकोसिस्टम के लिए बेहद खराब है। सुचिर ने आरोप लगाया था कि कंपनी ने अपना प्रोग्राम डेवलप करने के लिए ऑनलाइन डेटा की नकल की अमेरिका के कॉपीराइट नियमों के उल्लंघन किया। उन्होंने लोगों से जल्द से जल्द कंपनी छोड़ देने के लिए भी कहा था। इलॉन मस्क ने इस खबर पर रिएक्ट किया है।

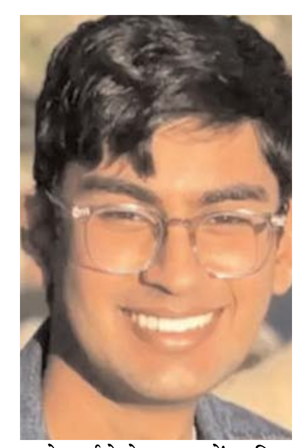

सुचिर बालाजी कौन हैं? सुचिर बालाजी ने यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया बर्कले में कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई की और ओपन एआई में स्केल एआई में इंटर्नशिप की। वह 2020 में ओपन एआई के लिए काम करने वाले बर्कले ग्रेजुएट्स में शामिल थे। न्यूयॉर्क टाइम्स मुताबिक, बालाजी ने 2022 की शुरुआत में जीपीटी-4 नामक एक नई परियोजना के लिए डेटा इकट्ठा करना शुरू किया। 2022 के आखिर में उन्होंने इस बात को महसूस किया कि कंपनी अपना प्रोग्राम डेवलप करने के लिए कॉपीराइट कानून का उल्लंघन कर रही थी। मस्क ने ओपन एआई पर मुकदमा दायर किया बता दें कि मस्क ने अल्टमैन के साथ मिलकर 2015 में ओपन एआई बनाई थी। यह एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) रिसर्च कंपनी है जो चेट जीपीटी जैसी सेवाएं बनाती है। मस्क ने 2018 में कंपनी के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया था।

बाद में मस्क ने ओपन एआई और सैम अल्टमैन समेत कंपनी के कई अन्य लोगों पर मुकदमा भी दायर किया। मस्क ने ओपन एआई-अल्टमैन समेत सभी लोगों पर 2015 में चेटजीपीटी-मेकर को स्थापित करने में मदद करने के दौरान किए गए कॉन्ट्रैक्चुअल एग्रीमेंट्स का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था।

मुनाफा कमाने पर फोकस से टूटा समझौता मस्क की तरफ से दायर लॉ-सूट में कहा गया था कि अल्टमैन ने ओपन एआई के को-फाउंर ग्रेग ब्रॉकमैन के साथ मिलकर एक ओपन सोर्स, नॉन-प्रॉफिट कंपनी बनाने के लिए मस्क से संपर्क किया था। यह कंपनी इंसानों के फायदे के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी डेवलप करती। मस्क के वकीलों ने कहा कि ओपन एआई के मुनाफा कमाने पर फोकस करने से यह समझौता टूट गया।

जर्मनी में गहराया राजनीतिक संकट, विश्वास मत के बाद आएगी मध्यावधि चुनाव की आहट?

बर्लिन, एजेंसी। यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था राजनीतिक उथल-पुथल में घिर गई है। महीनों की अंदरूनी कलह के बाद स्कोल्ज़ का तीन-पक्षीय गठबंधन टूट गया। जर्मन संसद में चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ विश्वास मत निश्चित रूप से हारेंगे। आखिरी बार किसी जर्मन चांसलर ने लगभग 20 साल पहले विश्वास मत मांगा था। लेकिन 16 दिसंबर को जर्मन नेता ओलाफ स्कोल्ज़ बुंडेस्टाग के सदस्यों से वोट करने के लिए कहेंगे यदि वे अभी भी उनका समर्थन करते हैं। स्कोल्ज़ के वोट हारने की व्यापक संभावना है, जिससे जर्मन राष्ट्रपति फ्रैंक-वाल्टर स्टीनमीयर तीन सप्ताह के भीतर संसद को भंग कर देंगे, जिससे 23 फरवरी की शुरुआत में आकस्मिक चुनाव का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरी बार चुने जाने के कुछ ही घंटों बाद जर्मन सरकार गिर गई, स्कोल्ज़ ने जर्मन वित्त मंत्री क्रिश्चियन लिंडनर को भावनाओं

के एक आश्चर्यजनक प्रदर्शन में निकाल दिया, जो प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रदर्शित हुआ था। तब से, यह सामने आया है कि लिंडनर की पार्टी ने गठबंधन तोड़ने की पूर्व-योजना बनाई थी, और कुछ लोकप्रियता हासिल करने के लिए समय से पहले चुनाव कराने के अपने सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, चिंताएं हैं कि उदारवादी (एफडीपी) ऐसा नहीं करेंगे। संसद में प्रवेश के लिए आवश्यक 5त्न सीमा से अधिक तक पहुँचें।

नए चुनावों में वास्तव में क्या दांव पर लगा है: जर्मनी की अर्थव्यवस्था लगातार स्थिर बनी हुई है क्योंकि वोक्सवैगन, थिसेनक्रुप और बॉश जैसी प्रमुख कंपनियां इलेक्ट्रिक वाहनों सहित हजारों नौकरियों और बाजारों को खत्म करने की योजना बना रही हैं, एशियाई बाजारों की ओर बढ़ रही हैं, एक जोखिम है कि राजनीतिक अस्थिरता अर्थव्यवस्था को हतोत्साहित कर सकती है। ठीक हो रहा है। फंके का कहना है कि राजनीतिक दल दबाव महसूस कर रहे हैं। ऑटोमोटिव और स्टील उद्योगों के साथ-साथ आपूर्तिकर्ताओं के बीच गंभीर संकट को देखते हुए, अन्य देशों की तुलना में असाधारण रूप से कम विकास की संभावनाओं के साथ, ढाई महीने में चुनाव से पहले कुछ उपायों को लागू करने का महत्वपूर्ण दबाव है।

फ्रांस के नए प्रधानमंत्री नियुक्त हुए फ्रांस्वा बायरू, मैक्रों के हैं करीबी

पेरिस, एजेंसी। 2025 के विधेयक पर संसदीय विरोध के कारण पूर्व प्रधान मंत्री मिशेल बार्नियर की सरकार गिर गई। 73 वर्षीय बायरू आने वाले दिनों में अपने मंत्रियों की सूची सामने रखेंगे, लेकिन तीन युद्धरत गुटों वाली त्रिशंकु संसद के माध्यम से कानून बनाने में उन्हें बार्नियर के समान ही अस्तित्वगत कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने फ्रेंकोइस बायरू को 2024 का अपना तीसरा प्रधान मंत्री नामित किया। अनुभवी मध्यमार्गी को पिछले छह महीनों में देश को दूसरे बड़े राजनीतिक संकट से बाहर निकालने का काम सौंपा। मैक्रों के करीबी सहयोगी बायरू के लिए प्राथमिकता 2024 के बजट को लागू करने के लिए एक विशेष कानून पारित करना होगा, साथ ही अगले साल की शुरुआत में 2025 के कानून पर और भी गंभीर लड़ाई होने वाली है। 2025 के विधेयक पर संसदीय विरोध के कारण पूर्व प्रधान मंत्री मिशेल बार्नियर की सरकार गिर गई। 73 वर्षीय बायरू आने वाले दिनों में अपने मंत्रियों की सूची सामने रखेंगे, लेकिन तीन युद्धरत गुटों वाली त्रिशंकु संसद के माध्यम से कानून बनाने में उन्हें बार्नियर के समान ही अस्तित्वगत कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। अत्यधिक अलोकप्रिय मैक्रों से उनकी निकटता भी

एक कमजोरी साबित होगी। फ्रांस की बढ़ती राजनीतिक अस्वस्थता ने इस बात पर संदेह पैदा कर दिया है कि क्या मैक्रॉन अपना दूसरा राष्ट्रपति कार्यकाल पूरा करेंगे, जो 2027 में समाप्त होगा। बार्नियर के निष्कासन के बाद मैक्रॉन ने कई दिन रूढ़िवादियों से लेकर कम्युनिस्टों तक के नेताओं से बात करके बायरू के लिए समर्थन हासिल करने में बिताए। मरीन ले पेन की धुर-दक्षिणपंथी राष्ट्रीय रैली और कट्टर-वामपंथी फ्रांस अनबोएड को बाहर रखा गया। गठबंधन में सोशलिस्ट पार्टी की किसी भी भागीदारी की कीमत मैक्रॉन को अगले साल के बजट में चुकानी पड़ सकती है। एक सरकारी सलाहकार ने शुक्रवार को कहा, अब हम देखेंगे कि सोशलिस्ट पार्टी के समर्थन की कीमत कितने अरब होगी।

यात्रा के दौरान पूर्व अमेरिकी हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी को लगी चोट, अस्पताल में चल रहा है इलाज

लक्जमबर्ग , एजेंसी। पूर्व अमेरिकी हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी को लक्जमबर्ग की आधिकारिक यात्रा के दौरान चोट लग गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। पेलोसी के प्रवक्ता ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। वह बैटल ऑफ द बुल्ज की 80वी वर्षगांठ मनाने के लिए कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के साथ यात्रा कर रही थीं। बता दें कि बैटल ऑफ बुल्ज द्वितीय विश्व युद्ध का एपिसोड है। यह जर्मन आक्रमण के परिणामस्वरूप शुरू हुआ और गठबंधन बलों की जीत के साथ समाप्त हुआ।

लक्जमबर्ग की यात्रा के दौरान लगी चोट : नैंसी पेलोसी के प्रवक्ता इयान क्रैगर ने कहा, बैटल ऑफ द बुल्ज की 80वीं वर्षगांठ मनाने के लिए लक्जमबर्ग में एक कांग्रेस प्रतिनिमंडल के साथ यात्रा के दौरान स्पीकर एमेरिटा नैन्सी पेलोसी को चोट लग गई। उन्हें फिलहाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनका इलाज जारी है। उन्होंने चोट के कारण बाकी कार्यक्रमों में शामिल न होने पर दुख जताया। प्रवक्ता ने आगे कहा, स्पीकर एमेरिटा नैन्सी पेलोसी डॉक्टरों से इलाज करवा रही हैं। उन्होंने काम करना जारी रखा है। उन्हें इस बात का दुख है कि वह सैनिकों के साहस का सम्मान करने के लिए शेष सीओडीईएल कार्यक्रमों में भाग लेने में असमर्थ है। नैंसी पेलोसी ने अपना आभार व्यक्त करते हुए अमेरिकी दिग्गजों का धन्यवाद किया।

पेलोसी ने लक्जमबर्ग के लोगों का जताया आभार : प्रवक्ता ने अपने बयान में आगे कहा, स्पीकर एमेरिटा पेलोसी ने हमारे दिग्गजों का धन्यवाद किया। उन्होंने द्वितीय

विश्वयुद्ध में यूरोप में शांति लाने में दिग्गजों की भूमिका के लिए लक्जमबर्ग और बास्टोग्ने के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। नैंसी पेलोसी को प्रतिनिधिमंडल के साथ यात्रा करने के लिए व्यक्तिगत और आधिकारिक रूप से सम्मानित किया गया था। उन्हें सम्मानित करने वालों में से कई लोगों के परिवार के सदस्य द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल हुए थे। इस युद्ध में उनके (पेलोसी) चाचा जॉनी भी शामिल थे। फिलहाल वह अमेरिका वापस लौटने की प्रतिक्षा कर रही है। बता दें कि नैंसी पेलोसी ने स्पीकर ऑफ द हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के अध्यक्ष के रूप में काम किया। वह साल 2007 में सदन की अध्यक्ष के तौर पर सेवा करने वाली पहली महिला भी थीं।

सीरियाई जेल से रिहा हुए अमेरिकी नागरिक को बाहर निकाला गया : अमेरिकी अधिकारी : दश्मिक, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने सीरिया की जेल से रिहा किए गए एक अमेरिकी नागरिक को बाहर निकाल लिया। अमेरिका के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सात महीने पहले लापता हुए अमेरिकी नागरिक ट्रैविस टिमरमैन को पूर्व राष्ट्रपति बशर असद की कुख्यात जेल में रखा गया था और वह उन हजारों लोगों में से एक था, जिन्हें विद्रोहियों द्वारा इस सप्ताह रिहा किया गया था।

इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि ट्रैविस टिमरमैन को अमेरिकी सैन्य हेलीकॉप्टर के जरिये सीरिया से बाहर निकाला गया। टिमरमैन (29) ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि वह ईसाई तीर्थयात्रा पर सीरिया गया था और हिरासत में रखे जाने के दौरान उसके साथ बुरा व्यवहार नहीं किया गया। अमेरिकी नागरिक ने बताया कि विद्रोहियों ने जेल में आकर हथौड़े से (उसकी कोठरी का) दरवाजा तोड़कर उसे मुक्त कराया। टिमरमैन ने बताया कि उसे सोमवार की सुबह एक सीरियाई युवक और 70 महिला कैदियों के साथ रिहा किया गया, जिनमें से कुछ के साथ उनके बच्चे भी थे।

स्विट्ज़रलैंड ने भारत से वापस लिया एमएफएन का दर्जा

- मोस्ट फेवर्ड नेशन के दर्जे वाले देश एक-दूसरे को व्यापार में देते हैं विशेष छूट

मुंबई । स्विस कंपनी नेस्ले पर भारत के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद स्विटजरलैंड ने भारत को दिया गया सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र यानी मोस्ट फेवरेट नेशन का दर्जा निलंबित (सस्पेंड) कर दिया। स्विटजरलैंड ने एमएफएन का दर्जा वापस लेने के अपने फैसले के पीछे नेस्ले से संबंधित एक मामले में सुप्रीम कोर्ट के 2023 में दिए गए फैसले का हवाला दिया है। मोस्ट फेवर्ड नेशन के दर्जे वाले देश एक-दूसरे को व्यापार में विशेष छूट देते हैं। स्विस वित्त विभाग ने हाल ही में एक बयान जारी करके कहा कि यह कदम पिछले साल भारत के सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले के बाद उठाया गया है जिसमें कहा गया था कि यदि कोई देश ओईसीडी में शामिल होने से पहले भारत सरकार ने उसके साथ टैक्स डील पर हस्ताक्षर किए हैं तो एमएफएन चैप्टर लागू नहीं होता है। अब इस दर्जे के रद्द होने से भारतीय कंपनियों को स्विट्जरलैंड में ज्यादा टैक्स भरना होगा। भारत ने कोलंबिया और लिथुआनिया के साथ कर संधियों पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत कुछ प्रकार की आय पर कर दरें ओईसीडी देशों को दी जाने वाली दरों से कम थीं। बाद में दोनों देश ओईसीडी में शामिल हो गए। 2021 में स्विटजरलैंड ने व्याख्या की कि कोलंबिया और लिथुआनिया के ओईसीडी में शामिल होने का मतलब है कि समझौते में उल्लिखित 10 प्रतिशत के बजाय एमएफएन खंड के तहत भारत-स्विट्जरलैंड कर संधि पर लाभांश के लिए 5 प्रतिशत की दर लागू होगी। एमएफएनइ दर्जे के निलंबन के बाद इस फैसले का असर यह होगा कि स्विट्जरलैंड एक जनवरी 2025 से भारतीय कंपनियों के वहां अर्जित लाभांश पर 10 फीसदी टैक्स लगाएगा। स्विस विदहोल्डिंग टैक्स के लिए रिफंड का दावा करने वाले भारतीयों को ये देना होगा।

एक लाख करोड़ का एयूएम होने पर आईपीओ ला सकती है एलआईसी म्युचुअल फंड

एलआईसी ने एयूएम वित्त वर्ष 2025-26 तक होने का लक्ष्य रखा

नई दिल्ली । एलआईसी म्युचुअल फंड ने अपनी प्रबंधन के तहत परिसंपत्ति (एयूएम) के एक लाख करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंचने पर आईपीओ लाने की संभावना को खोल दिया है। एक अधिकारी ने इसे पुष्टि की और बताया कि कंपनी ने एयूएम वित्त वर्ष 2025-26 तक होने का लक्ष्य रखा है। वर्तमान में एलआईसी एमएफ का एयूएम लगभग 38,000 करोड़ रुपये है, जो 2022-23 में 16,526 करोड़ रुपये था। एलआईसी म्युचुअल फंड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 में उन्होंने 67 प्रतिशत की वृद्धि की है और वर्तमान वृद्धि दर 30 प्रतिशत है। उन्होंने इक्विटी योगदान के 47 प्रतिशत और बॉन्ड के 53 प्रतिशत हिस्से के साथ बताया कि सभी कोषों में वित्तलिय रूप से शासन वाले और कॉर्पोरेट निवेशक बॉन्ड में ज्यादा पैसा लगाए हैं। रूपरेखा से एलआईसी एमएफ ने खुदरा निवेशकों की भागीदारी को बढ़ाने के लिए न्यूनतम व्यवस्थित निवेश योजना लागू की है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने पर खुदरा और इक्विटी भागीदारी 65-70 प्रतिशत तक बढ़ जाए। यह लक्ष्य हासिल करने के लिए कंपनी ने विभिन्न पहल की हैं, जैसे जीवन बीमा निगम के नेटवर्क का उपयोग और वितरण चैनलों का स्थापना।

टाटा समूह के विमानन कंपनियों की सीट क्षमता में 20 फीसदी बढ़ी

- पिछले साल 4.58 करोड़ सीटें थी जो बढ़कर 2024 में 5.47 करोड़ पहुंच चुकी है

नई दिल्ली । टाटा समूह की विमानन कंपनियों ने घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय परिचालन की एकीकृत सीट क्षमता में 20 फीसदी की वृद्धि की घोषणा की है। एयर इंडिया को नियंत्रित करने वाले समूह द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, कुल सीट क्षमता वर्ष 2023 में करीब 6.40 करोड़ थी जो बढ़कर चालू वर्ष में करीब 7.67 करोड़ हो चुकी है। टाटा समूह के आंकड़ों के अनुसार, घरेलू यात्री सेवा के तहत सीट क्षमता पिछले साल करीब 4.58 करोड़ सीटों की थी जो 19 फीसदी बढ़कर 2024 में 5.47 करोड़ सीटों तक पहुंच चुकी है। यह विमानन कंपनियों की कुल घरेलू सीट क्षमता का 28 फीसदी से अधिक है। पिछले साल यह सभी विमानन कंपनियों की कुल सीट क्षमता का 25 फीसदी रहा था।

अंतरराष्ट्रीय परिचालन में भी टाटा समूह की विमानन कंपनियों ने अपनी सीट क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए टाटा समूह की विमानन कंपनियों की सीट क्षमता 2023 में करीब 1.81 करोड़ सीटों की थी जो 21 फीसदी बढ़कर 2024 में 2.19 करोड़ सीटों की हो चुकी है। दुनिया के सबसे भरोसेमंद एक विमानन विश्लेषण फर्म के अनुसार टाटा समूह मजबूत ग्राहक आधार के बावजूद 11.9 करोड़ सीटों के साथ चालू वर्ष को अलविदा करेगा जो पिछले साल के मुकाबले 9 फीसदी अधिक है। आंकड़ों के अनुसार एयर इंडिया की सीट क्षमता इस साल 39 फीसदी से अधिक बढ़कर 2.35 करोड़ सीटों की हो गई। इसमें विस्तारा को शामिल नहीं किया गया है क्योंकि उसकी गणना अलग से की गई है। नई विमानन कंपनी आकासा ने अपनी सीट क्षमता में पिछले साल के मुकाबले 20 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्ज की है। इन विमानन कंपनियों की सीट क्षमता बढ़ने से घरेलू उड़ानों के लिए भारत की सीट क्षमता एक साल पहले के मुकाबले 6.84 फीसदी बढ़कर 19.35 करोड़ सीटों तक पहुंच चुकी है। गो फर्स्ट ने कोई उड़ान नहीं भरी और स्पाइसजेट एवं अलायंस एयर जैसी विमानन कंपनियों ने अपनी सीट क्षमता कम कर दी थी। समान अवधि में उड़ानों की संख्या 5.4 फीसदी बढ़कर 11.3 लाख तक पहुंच गई।

नियामक ने एआईएफ प्रो-रेटा डिस्ट्रीब्यूशन के लिए तय किए मानक

नये नियमों से निवेशकों को अधिक सुरक्षा और लाभ प्राप्त होगा

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक नया आदेश जारी किया है जिसके तहत वैकल्पिक निवेश फंड्स (एआईएफ) के लिए आनुपातिक वितरण सुनिश्चित किया गया है। इस नए आदेश से यह सुनिश्चित होगा कि निवेशकों को उनकी प्रतिबद्धताओं के अनुपात में लाभ पहुंचाया जाए। जब एआईएफ निवेशकों के अधिकारों एवं आय को प्रो-रेटा में वितरित करेगा, तो इससे निवेशकों को न्यूनतम और अधिकाधिक लाभ मिलेगा। इसे लेकर सेबी ने पिछले महीने एआईएफ नियमों में कई बदलाव किए थे और हाल ही में जारी किए गए सर्कुलर में सेबी ने विवरण दिया कि उन निवेशकों को छूट दी जाएगी जो निवेशकों की तरह उपयोगी होंगे जो अपने प्रतिबद्धताओं में गलती करें। लिमिटेड पार्टीयों (एलपी) के लिए भी सख्ती से कहा गया है कि वे अपने आनुपातिक अधिकारों से कम या अधिक लाभ स्वीकार कर सकते हैं। इसके साथ ही, सेबी ने फंड के प्रबंधकों, प्रायोजकों, फाइनैंशियल इंस्टीट्यूशंस को अधिक नुकसान साझा करने की अनुमति भी दी है। एक अन्य नई निर्देशिका के तहत, एक उद्योग निकाय को विशिष्ट अंतर संबंधित अधिकारों की सूची तैयार करने का निर्देश दिया गया है जिसे सेबी द्वारा पेश किया जा सकता है। यह नया आदेश निवेशकों के हित में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है जो वितरण के प्रक्रिया को अधिक स्पष्ट और निष्पक्ष बनाएगा। इससे निवेशकों को अधिक सुरक्षा और लाभ प्राप्त होगा और वैकल्पिक निवेश फंड्स के क्षेत्र में सुधार होगा।

फरवरी में रेपो दर में 25 आधार अंकों की हो सकती है कटौती

- भारत की समग्र मुद्रास्फीति नवंबर में 6 फीसदी से नीचे

नई दिल्ली । उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति 5.48 फीसदी के स्तर पर आ गई है और ऐसी संभावना व्यक्त की जा रही है कि आने वाले महीने में मुद्रास्फीति 6 प्रतिशत से नीचे रह सकती है। ऐसे में अर्थशास्त्रियों और बाजार का मानना है कि भारतीय रिजर्व बैंक की दरें तय करने वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) फरवरी में होने वाली बैठक में रीपो दर 25 आधार अंक दर की कटौती कर सकती है। भारत की समग्र मुद्रास्फीति नवंबर में 6 फीसदी से नीचे आ गई है जो आरबीआई के मुद्रास्फीति को 2-6 फीसदी के दायरे में रखने के लक्ष्य के अनुरूप है।

यह खाद्य कीमतों में कमी और अन्य कारकों के बीच अनुकूल आधार प्रभाव के कारण संभव हुआ है। कोर मुद्रास्फीति भी नवंबर में थोड़ी कम होकर 3.7 फीसदी हो गई जो पिछले महीने के 3.8 फीसदी से कम है। इसकी तुलना में समग्र मुद्रास्फीति अक्टूबर में 6.2 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई जबकि सितंबर में यह 5.49 फीसदी थी। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ) के समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने एसबीआइ रिसर्च रिपोर्ट में लिखा कि हम उम्मीद कर रहे हैं कि आरबीआइ फरवरी 2025 में दर में कटौती करेगा और दर कटौती चक्र में कुल 75 आधार अंकों की कटौती हो सकती है। मगर डॉलर में होने बदलाव से ऐसे निर्णय के प्रभावित होने की संभावना नहीं है जैसा कि वर्ष 2018 में हुआ था जब आरबीआई ने रुपये पर भारी दबाव होने के बावजूद दरों में बढ़ोतरी नहीं की थी। डीबीएस बैंक की कार्यकारी निदेशक और वरिष्ठ अर्थशास्त्री राधिका राव ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किए और उन्होंने कहा कि हम फरवरी की बैठक में 25 आधार अंकों की कटौती की उम्मीद कर रहे हैं और इस चक्र में कुल 75 आधार अंकों की कटौती की उम्मीद है। साथ ही हमारी नजर अमेरिकी डॉलर पर भी है। राव को उम्मीद है कि खाद्य वस्तुओं पर मौसम संबंधी असर के खत्म हो जाने के बाद समग्र मुद्रास्फीति 4-5 प्रतिशत के दायरे में सामान्य हो जाएगी।

जेएसडब्ल्यू ग्रीन एनर्जी में 26 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी इंडस टावर्स

- पीवी बिजली संयंत्र से 130 मेगावाट अक्षय ऊर्जा प्राप्त होगी

नई दिल्ली । दूरसंचार अवसंरचना कंपनी इंडस टावर्स सौर पीवी संयंत्र से नवीकरणीय ऊर्जा प्राप्त करने के लिए जेएसडब्ल्यू ग्रीन एनर्जी एट में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी 38.03 करोड़ रुपये में खरीदेगी। इंडस टावर्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसे सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) बिजली संयंत्र से 130 मेगावाट अक्षय ऊर्जा प्राप्त होगी। बयान में कहा गया है कि कंपनी ने 12 दिसंबर को व्यक्तिगत उपयोग के तहत सौर पीवी संयंत्र से नवीकरणीय ऊर्जा की खरीद को लेकर विशेष उद्देश्य के लिए बनाई गई (एसपीवी) जेएसडब्ल्यू ग्रीन एनर्जी एट लिमिटेड के साथ बिजली खरीद समझौता किया है। जेएसडब्ल्यू को अक्टूबर 2024 में पारंपरिक या गैर-पारंपरिक तरीकों का उपयोग करके बिजली या किसी अन्य ऊर्जा का निर्माण, विकास, स्वामित्व, उत्पादन, आपूर्ति, संचय, संचरण, वितरण, भंडारण, खरीद और बिक्री करने के लिए शामिल किया गया था।

एचडीएफसी बैंकिंग सर्विस डाउन: दो दिनों तक बंद रहेगी क्रेडिट कार्ड ट्रांजेक्शन

आईसीआईसीआई बैंक में भी 14 और 15 दिसंबर को कुछ सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रहेंगी

मुंबई । एचडीएफसी बैंक ने ग्राहकों को एक महत्वपूर्ण अलर्ट दिया है जिसमें बताया गया है कि 14 और 15 दिसंबर को बैंक की कुछ सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रहेंगी। इसका मुख्य कारण मेंटेनेंस कार्य है। 14 दिसंबर को दोपहर 1 बजे से डेढ़ बजे तक क्रेडिट कार्ड ट्रांजेक्शन बंद रहेगा। उसके बाद, नेटबैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग ऐप की सेवाएं दोपहर 2 बजकर 30 मिनट से शुरू होंगी और लगभग 3 घंटे तक बंद रहेंगी। इसके साथ ही आईसीआईसीआई बैंक ने भी ग्राहकों को एक समान अलर्ट जारी किया है। उन्होंने बताया है कि 14 और 15 दिसंबर को कुछ सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रहेंगी। ग्राहकों को अलर्ट दिया गया है कि इस अवधि के दौरान आरटीजीएस ट्रांजेक्शन स्थगित किए जाएंगे। ग्राहकों को सुझाया गया है कि इस अवधि के दौरान अल्टरनेटिव विकल्प के रूप में आईमोबाइल या इंटरनेट बैंकिंग का उपयोग करें। यह सूचना एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक के ग्राहकों के लिए महत्वपूर्ण है। इन समयों में सर्विस में किए गए किसी भी बदलाव की सम्यक जानकारी लेने के लिए ग्राहकों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

एलआईसी ने आयरन ओर उत्पादक नवरत्न कंपनी में घटाई हिस्सेदारी

- एलआईसी की हिस्सेदारी घटकर 5.6 फीसदी रह गई, इससे पहले हिस्सेदारी 7.6 फीसदी थी

मुंबई । देश की प्रमुख बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने आयरन ओर उत्पादक नवरत्न कंपनी एनएमडीसी लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी 2 फीसदी घटा दी है। इसके बाद नवरत्न पीएसयू आयरन ओर माइनिंग कंपनी एनएमडीसी में एलआईसी की हिस्सेदारी घटकर 5.6 फीसदी रह गई है, इससे पहले हिस्सेदारी 7.6 फीसदी थी। एलआईसी का शेयर शुक्रवार को 932.60 रुपए पर बंद हुआ। एलआईसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसने सितंबर, 2023 से दिसंबर, 2024 तक की अवधि में बाजार बिक्री की एक श्रंखला के माध्यम से एनएमडीसी में 5.91 करोड़ से अधिक शेयर यानी 2 फीसदी हिस्सेदारी बेची है। एनएमडीसी के वोटिंग अधिकार वाले इक्विटी शेयरों में एलआईसी की हिस्सेदारी 22,31,79,025 शेयरों (7.6 फीसदी) से घटकर 16,40,59,791 शेयर (5.6 फीसदी) रह गई है। पिछले महीने एलआईसी ने कहा था कि उसने टाटा पावर में 2.02 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी करीब 2,888 करोड़ रुपए में बेच दी है और कंपनी में अपनी हिस्सेदारी घटाकर 3.88 फीसदी कर दी है। शुक्रवार को एनएमडीसी का शेयर बीएसई में 2.91 फीसदी की गिरावट के साथ 233.70 रुपए पर बंद हुआ।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार रहा

मुंबई । वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों और फेड पॉ लिसी से पहले भारतीय सूचकांक लगातार चौथे सप्ताह बढ़त लेकर बंद हुआ। बाजार के जानकारों ने कहा कि बीते सप्ताह एफआईआई की खरीदारी, सीपीआई और आईआईपी आंकड़ों ने भी बाजार को साप्ताहिक गिरावट को कम करने में मदद की। बीते सप्ताह शेयर बाजार में सप्ताह भर उतार- चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। एशियाई बाजारों में कमजोर रुख के बीच शुरुआती घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को उतार-चढ़ाव का माहौल देखा गया। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 151.36 अंक की गिरावट के साथ 81,557.76 अंक पर खुला और 200.66 अंकों की गिरावट के बाद 81,508.46 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी बढ़त के साथ खुलने के बाद शुरुआती सौदों में 37.45 अंक फिसलकर 24,640.35 अंक पर खुला और 58.80 अंक टूटकर 24,619.00 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को सपाट स्तर पर खुले। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 35.71 अंक की बढ़त के साथ 81,544.17 अंक पर खुला और .59 अंक गिरकर 81,510.05 पर बंद हुआ। निफ्टी 13.25 अंक चढ़कर 24,632.25 अंक पर खुला और 8.95 अंक की गिरावट के साथ 24,610.05 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 19.22 अंक की बढ़त के साथ 81,529.27 अंक पर खुला और 13.34 अंकों की गिरावट के साथ 81,496.70 पर बंद हुआ। निफ्टी 21.55 अंक चढ़कर 24,631.60 अंक पर खुला और 20.25 अंकों की गिरावट के साथ 24,630.30 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भी सपाट ही खुला। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 83.73 अंक चढ़कर 81,609.87 अंक पर खुला और 236.18 अंक कमजोर होकर 81,289.96 पर बंद हुआ। निफटी 12 अंक की बढ़त के साथ 24,604.45 अंक पर खुला और 93.10 अंक टूटकर 24,548.70 पर बंद हुआ। शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में बड़ी गिरावट के बाद बाजार ने पलटी मार दी है। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बिकवाली के बाद संभले और हरे निशान पर लौट आए। दोपहर बाद सेंसेक्स 321.00 अंक चढ़कर 81,537.48 पर पहुंच गया और 843.16 अंक उछलकर 82,133.12 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 88.75 अंक चढ़कर 24,637.45 पर खुला और 88.75 अंक चढ़कर 24,637.45 पर बंद हुआ।

मैकिंजी संघीय जांच से बचने को 65 करोड़ डॉलर का भुगतान करेगी

वाशिंगटन। अमेरिकी सलाहकार फर्म मैकिंजी एंड कंपनी ने दवा कंपनी पर्ड्यू फार्मा के लिए किए गए कार्यों की संघीय जांच से बचने के लिए 65 करोड़ डॉलर का भुगतान करने पर सहमति जताई है। वर्जीनिया में अदालत में दायर दस्तावेजों से यह जानकारी मिली। इसके मुताबिक अमेरिकी न्याय विभाग के साथ हुए समझौते के तहत मैकिंजी आपराधिक आरोपों पर अभियोजन से बच जाएगी। हालांकि इस राहत के लिए मैकिंजी को इस राशि का भुगतान करना होगा और पांच साल के लिए नियंत्रित पदार्थों की बिक्री, विपणन या प्रचार बंद करने जैसी शर्तों का पालन भी करना होगा। मैकिंजी के प्रतिनिधियों ने इस समझौते के बारे में टिप्पणी के लिए फोन कॉल और ईमेल संदेशों का फिलहाल कोई जवाब नहीं दिया है। न्यायालय में दाखिल दस्तावेजों में कहा गया है कि पर्ड्यू ने ऑक्सीकॉन्टिन दवा समेत कई उत्पादों से राजस्व बढ़ाने के तरीकों के लिए मैकिंजी को 15 वर्षों में 9.3 करोड़ डॉलर से अधिक का भुगतान किया।

सेबी ने रिटेल निवेशकों के लिए एल्गो ट्रेडिंग सुविधा शुरू करने का प्रस्ताव दिया

- एल्गो ट्रेडिंग कंप्यूटर प्रोग्राम के जरिए ट्रेडिंग को तेज़, सस्ता और पारदर्शी बनाती है

नई दिल्ली । बाजार नियामक सेबी ने रिटेल निवेशकों के लिए एल्गोरिदमिक ट्रेडिंग (एल्गो ट्रेडिंग) की सुविधा शुरू करने का प्रस्ताव दिया है। यह तकनीक कंप्यूटर प्रोग्राम के जरिए ट्रेडिंग को तेज़, सस्ता और पारदर्शी बनाती है। अब तक यह सुविधा केवल संस्थागत निवेशकों को मिलती थी। एल्गो ट्रेडिंग का उपयोग करने से निवेशक तेज़ी से खरीद-फरोख्त कर सकते हैं। इससे बाजार में लेन-देन आसान होता है और तरलता (लिक्विडिटी) बढ़ती है। सेबी का कहना है कि यह सुविधा रिटेल निवेशकों को सुरक्षा और सही नियमों के साथ दी जाएगी। सेबी के अनुसार एल्गो ट्रेडिंग की सुविधा स्टॉक ब्रोकरों के माध्यम से दी जाएगी। इसके लिए ब्रोकर को पहले स्टॉक एक्सचेंज से अनुमति लेनी होगी। ट्रेडिंग में हर लेन-देन को स्टॉक एक्सचेंज की ओर से दिए गए यूनिक आईडेंटिफायर से टैग किया जाएगा, ताकि उसकी ट्रैकिंग की जा सके। यदि ब्रोकर एल्गो सिस्टम में कोई बदलाव करना चाहेंगे, तो उन्हें इसके लिए एक्सचेंज से मंजूरी लेनी होगी। एल्गो ट्रेडिंग के लिए एपीआई (एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस) का इस्तेमाल किया जाएगा। ब्रोकर इस प्रक्रिया में मुख्य भूमिका निभाएंगे, जबकि एल्गो प्रदाता या फिनटेक कंपनियां उनके एजेंट के रूप में काम करेंगी। जो भी लेन-देन एक तय सीमा से अधिक होगा, उसे एल्गो ट्रेडिंग माना जाएगा और उसे यूनिक आईडेंटिफायर से टैग किया जाएगा।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट, घटकर 654.85 अरब डॉलर पहुंचा

6 दिसंबर से पहले विदेशी मुद्रा भंडार में 1.51 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी

नई दिल्ली । देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 6 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 3.235 अरब डॉलर की कमी आई है। इस दौरान भंडार घटकर 654.857 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले के सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में 1.51 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई थी, जिससे लगातार कई हफ्तों की गिरावट रुकी थी। सितंबर के अंत में यह भंडार 704.885 अरब डॉलर के अपने अब तक के उच्च स्तर पर पहुंचा था। आरबीआई के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए) 6 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 3.228 अरब डॉलर घटकर 565.623 अरब डॉलर रह गईं। ये परिसंपत्तियां डॉलर के अलावा यूरो, पाउंड और येन जैसी अन्य मुद्राओं की कीमतों में बदलाव के कारण प्रभावित होती हैं। इस सप्ताह भारत के सोने के भंडार में भी गिरावट दर्ज की गई। सोने का भंडार 43 मिलियन डॉलर घटकर 66.936 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार में 25 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई, जिससे यह 18.031 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में भारत की भंडार स्थिति 12 मिलियन डॉलर बढ़कर 4.266 अरब डॉलर हो गई।

वेलस्पन कॉर्प अमेरिकी संयंत्र की क्षमता बढ़ाने 10 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी

नई दिल्ली । वेलस्पन कॉर्प ने अमेरिका में अपने लिटिल रॉक संयंत्र की क्षमता दोगुनी करने के लिए 10 करोड़ डॉलर की विस्तार योजना शुरू की है। कंपनी ने बयान में कहा कि विस्तार परियोजना मार्च 2026 तक पूरी होने की उम्मीद है। इस इकाई की मौजूदा क्षमता 1.75 लाख टन है, जिसे बढ़ाकर 3.5 लाख टन किया जाएगा। वेलस्पन कॉर्प ने कहा कि यह निवेश यह दर्शाता है कि कंपनी चौड़े आकार वाली लाइन पाइप बनाने में सक्षम है। वेलस्पन वर्ल्ड के चेयरमैन ने कहा कि यह विस्तार कंपनी के कारोबार के विस्तार और उन्नयन के लिए महत्वपूर्ण है। इस निवेश से एक महत्वपूर्ण योजना के तहत कंपनी दावा कर रही है कि वह अपनी पहचान मज़बूत करेगी। वेलस्पन कॉर्प लिमिटेड वैश्विक स्तर पर चौड़े आकार वाली लाइन पाइप बनाने वाली शीर्ष तीन कंपनियों में से एक है और इस नए विस्तार से उसकी मुख्यता और मजबूती और भी बढ़ेगी।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बने देवेश्वर राठौड़

चमकता राजस्थान। जयपुर। ग्राम मंडल जोधा नागौर व हाल निवासी जयपुर के देवेश्वर सिंह राठौड़ ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट पद प्राप्त कर परिवार एवं गाँव का गौरव बढ़ाया है शनिवार 14 दिसंबर को भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून में आयोजित पासिंग आउट पर-ेड में देश को 456 युवा सैन्य अधिकारी मिले हैं इनमें देवेश्वर राठौड़ भी शामिल रहे संस्कार स्कूल जयपुर के कक्षा 12 वी में 94 पर्सेंट से पास करने के बाद प्रथम प्रयास में ही कोर्स में प्रवेश कर टेली कम्युनिकेशन में इर्ड्डूं कर क्टअ देहरादून में लेफ्टिनेंट पद प्राप्त किया देवेश्वर के बड़े पापा जगदीश सिंह राठौड़ कृषि विभाग में सेवानिवृत डिप्टी डायरेक्टर,कुंदन सिंह प्रिंसिपल एवं
पिता संपत सिंह वाइस प्रिंसिपल पद पर कार्यरत हैं देवेश्वर ने अपनी सफलता का श्रेय दादा सुबेदार स्वर्गीय स्वरूप सिंह,नानोसा कैप्टन जयपाल सिंह एवं बड़े पापा व माता पिता की प्रेरणा वह प्रोत्साहन को दिया है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रदेशवासियों को दी बधाई

चमकता राजस्थान। जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजस्थान के असीम विकास एवं सर्वजन के कल्याण हेतु समर्पित भाजपा सरकार कार्यकाल के स्वर्णिम एक वर्ष पूर्ण होने पर यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक वर्ष-परिणाम उत्कर्ष₹ कार्यक्रम में राजस्थान को 46,300 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण करने पर प्रधानमंत्री का सहृदय आभार एवं समस्त प्रदेशवासियों को बहुत-बहुत बधाई दी।

डॉ. नीरज के. पवन ने किया सम्मान

चमकता राजस्थान। जयपुर। युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव और राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष डॉ. नीरज के. पवन ने सवाई मानसिंह स्टेडियम में कुआलालम्पुर (मलेशिया) 10इँ एशियन पेसेफिक डेफ गेम्स (2024) की 800 मी स्पर्धा के रजत पदक विजेता देवेन सोनी व उनके प्रशिक्षक सुरेंद्र सिंह शेखावत का मिठाई व माला पहनाकर सम्मान किया।

रक्तदान शिविर 29 दिसंबर को

चमकता राजस्थान। जयपुर। मानव समाज सेवा संस्थान राजस्थान, सनराइज फ्रेंड्स सोसाइटी एवं ढंड डायबिटीज एसोसिएशन द्वारा रक्तदान एवं चिकित्सा जांच शिविर 29 दिसंबर को लगाया जाएगा। न्यू सांगानेर रोड स्थित 70, कटेवा नगर में सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा।
शिविर में ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, थायरॉइड, बीएमडी, फिजियोथेरेपी जांच की जाएगी और सहाय हॉस्पिटल द्वारा आंखों की जांच के साथ मोतियाबिंद का ऑपरेशन निःशुल्क किया जाएगा।
संस्थान के अध्यक्ष डॉ. मुकेश गुप्ता ने बताया कि शिविर में डॉ. सुनील ढंड, डॉ. अजीत सहारण, डॉ. प्रवीण कुमार और डॉ. अंकिता माथुर अपनी सेवाएं देंगे।

रेलवे एम्पलाइज यूनियन को मान्यता चुनाव जीतने पर जयपुर के व्यापारियों ने किया स्वागत

फुलेरा (दामोदर कुमावत)। नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्पलाइज यूनियन की रेलवे मान्यता चुनाव में जीत दर्ज करने पर जयपुर व्यापारियों ने एम्पलाइज यूनियन के पदाधिकारी का जोरदार स्वागत किया।
मां वैष्णो देवी सेवा समिति ट्रस्ट सैन कॉलोनी जयपुर व्यापारीयो ने नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्पलाइज यूनियन के कार्यालय में जाकर जोनल कार्यकारी अध्यक्ष एवं मंडल मंत्री मुकेश चतुर्वेदी, सहायक मंडल मंत्री गोपाल मीणा, पूर्व मंडल मंत्री आर के सिंह, सहायक मंडल मंत्री मानसिंह डायरेक्टर देशराज चौधरी एवं अन्य सदस्यों का यूनियन को मान्यता मिलने पर जयपुर के व्यापारियों द्वारा स्वागत किया गया

भाजपा नेता देश को गुमराह करने का खेल खेल रहे हैं : डोटासरा

चमकता राजस्थान

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की अध्यक्षता में मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारियों की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी उपस्थित रहे।
बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों को विभिन्न क्षेत्रों में प्रभारी के रूप में जिम्मेदारी देने तथा पार्टी के दो माह तक चलने वाले संविधान रक्षक अभियान में भागीदारी हेतु प्रभारी के रूप में कार्य आवंटन पर चर्चा की जाकर प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने सभी पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश प्रदान किये। बैठक में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सभी पदाधिकारियों से एकजुट होकर पार्टी की मजबूती के लिये कार्य करने का आ''ान किया तथा कहा कि यदि सब मिलकर एकरूपता के साथ कार्य करेंगे तो प्रदेश में पार्टी को मजबूत करने के साथ भाजपा की जनविरोधी सरकार का सामना करते हुये प्रदेश की जनता को राहत दिला पायेंगे।
बैठक के पश्चात मीडिया को सम्बोधित करते हुए डोटासरा ने कहा कि राजस्थान की भाजपा सरकार के एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रदेश के दौरे पर आये तथा उनसे प्रदेश को बहुत उम्मीदें थीं, क्योंकि उनके वादे एवं बातों पर विश्वास कर प्रदेश की जनता ने भाजपा को सत्ता सौंपी थी। किन्तु जिस प्रकार भाजपा के नेता, मंत्री प्रदेशभर में प्रधानमंत्री द्वारा प्रदेश के लिये सौगातों का पिटारा खोलने की घोषणा का प्रचार कर रहे थे, उसके उलट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रदेश के लिये कोई सौगात नहीं देकर निराश का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केवल जुमले देने का ही कार्य किया और असत्य तथ्य अपने भाषण में कहे। उन्होंने कहा कि आश्चर्य है कि देश को प्रधानमंत्री के पास सही तथ्य नहीं बताये गये और वे हनुमानगढ़, चूरू आदि जिलों में नर्मदा का पानी पिलाने की बात कह रहे हैं जबकि नर्मदा नदी का पानी केवल जालौर और उसके आस-पास के कुछ क्षेत्रों में ही पेयजल के रूप में उपलब्ध हुआ है। उन्होंने कहा क गलत तथ्यों पर आधारित भाषण देकर प्रधानमंत्री केवल प्रदेश की जनता को गुमराह करने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और डबल इंजन की राजस्थान सरकार से प्रश्न कर रही है कि ईआरसीपी को पीकेसी तो कर दिया लेकिन 90 प्रतिशत केन्द्र का अंशदान देकर राष्ट्रीय परियोजना घोषित क्यों नहीं किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में राजस्थान में पेट्रोल-डीजल सस्ता करने की बात कही, किन्तु चुनाव में प्रधानमंत्री ने प्रदेश की जनता से हरियाणा में पेट्रोल-डीजल की कीमत के बराबर राजस्थान में पेट्रोल-डीजल की कीमत करने का वादा किया था, किन्तु वर्तमान में हरियाणा के मुकाबले राजस्थान में पेट्रोल-डीजल का मूल्य 11 रूपये से अधिक ज्यादा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान में अपने दो दौरों में ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने का वादा प्रदेश की जनता से किया था औरअब तो हद हो गई जब इंदिरा गॉधी नहर परियोजना से जो पानी शेखावाटी में आ रहा है जिसे कुम्भा राम लिफ्ट कैनाल के नाम से स्थानीय लोग पुकारते हैं, इस परियोजना पर 2008-2013 में कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने खेतड़ी क्षेत्र में पानी पहुॅचाने का कार्य किया था, सुजानगढ़ को पानी मिला, लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में एक हजार करोड़ की परियोजना बनी और पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के शासन में विधानसभा क्षेत्र नीमकाथाना, उदयपुरवाटी, खण्डेला सहित आठ विधानसभा क्षेत्रों के लिये पानी पहुॅचाने की परियोजना बनी और इस परियोजना के लिये 8700 करोड़ रूपये से अधिक की राशि स्वीकृत हो गई तथा 08 जुलाई, 2022 को स्वीकृति का निर्णय पारित हो गया था और वित्तीय स्वीकृति भी जारी होने के साथ सभी वित्तीय प्रावधान सुनिश्चित हो गये थे। उन्होंने कहा कि यह सारे कार्य पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के शासन में हो चुके हैं और आश्चर्यजनक है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इन कार्यों के बारे में बताने की बजाए नर्मदा का पानी पहुॅचने का जिक्र कर रहे हैं जो कि गलत तथ्य है।
डोटासरा ने कहा कि भाजपा और भाजपा नेता देश को गुमराह करने का खेल लम्बे समय से खेल रहे हैं, यह बंद होना चाहिये। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते है कि पहले पेपर लीक होते थे और अब पेपर लीक नहीं हो रहे हैं, जबकि सच्चाई यह है कि भाजपा सरकार के शासन में पेपर ही नहीं हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और भाजपा की सरकार भर्तियां निकलने की बात कह रही है जबकि वास्तविकता यह है कि चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की भर्ती अभी 10 दिन पहले निकाली है जो भी अधिकतर संविदा पर रखने की निकाली है। उन्होंने कहा कि 6000 भी नौकरियां चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के अतिरिक्त अन्य पदों पर नहीं निकाली गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दौरे से प्रदेश की जनता को निराशा के अलावा कुछ हाथ नहीं लगा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी भाजपा द्वारा अपनाये गये दोहरे चरित्र का विरोध सड×क से सदन तक करेगी और प्रदेश की जनता को जागरूक करने का कार्य किया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह स्तर रह गया कि कुछ सीटें विधानसभा उप चुनाव में जीतने का जिक्र कर रहे हैं जबकि लोकसभा चुनाव में 11 सीट हारने की चर्चा तक नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि 8782 करोड़ रूपये की वित्तीय स्वीकृति कांग्रेस सरकार ने पेयजल योजना के लिये जारी की थी, उसे भाजपा की प्रदेश सरकार दुबारा बजट में शामिल कर अपनी बता रही है। उन्होंने कहा कि ईआरसीपी को लेकर मुख्यमंत्री 6 माह से मध्यप्रदेश से एमओयू होने का प्रचार कर रहे हैं और स्वागत करा रहे हैं तो अब नया कौनसा एग्रीमेंट किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को भ्रमित करने पर मुख्यमंत्री को राजस्थान विधानसभा और प्रदेशवासियों से माफी मांगनी चाहिये। उन्होंने कहा कि जिस एमओयू को इतने दिन से दुष्प्रचारित किया जा रहा था वो तो केवल मध्यप्रदेश की शर्तें स्वीकार करने का एमओयू था जिसके तहत भाजपा की सरकार ने राजस्थान के हितों के विपरीत मध्यप्रदेश को फायदा पहुॅचाने का कार्य किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल बरगलाने का कार्य करती है।
मीडिया प्रभारी स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि18 दिसम्बर, को प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेसकार्यकर्ताओं द्वारा उद्योगपति अडानी उनके साथियों पर अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा लगाये गये आरोपों की जॉच की मॉग को लेकर तथा केन्द्र की भाजपा सरकार ने संसद में चर्चा से बचने हेतु संसद की कार्यवाही में बाधा उत्पन्न कर एवं मणिपुर में जारी हिंसा के विरोध में बुधवार को प्रातः 11 बजे शहीद स्मारक से राजभवन तक पैदल मार्च निकालकार विरोध-प्रदर्शन किया जायेगा।

कैम्पा के सहयोग से हो रहा सेरेन्डिपिटी फेस्टिवल 2024 का भव्य आयोजन

रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का प्रमुख ब्रांड है कैम्पा

चमकता राजस्थान

गोवा। भारत के सबसे बड़े बहु-विध कला उत्सव सेरेन्डिपिटी आर्ट्स फेस्टिवल 2024 ने प्रतिष्ठित घरेलू पेय ब्रांड कैम्पा के साथ साझेदारी की घोषणा की है। कैम्पा, रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का प्रमुख ब्रांड है।
सेरेन्डिपिटी आर्ट्स की निदेशक स्मृति राजगढ़िया ने कहा, ₹यह साझेदारी कला के विकास और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने का उदाहरण है।₹ रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के सीओओ

केतन मोदी ने इसे ₹रचनात्मकता और नई खोजों का उत्सव₹ बताया।
इस वर्ष फेस्टिवल का मुख्य आकर्षण ''थ्री डीवाज़'' कार्यक्रम होगा, जिसमें पद्मश्री अरुणा साईराम, पद्म भूषण उषा उथुप और पद्मश्री शुभा मुद्गल 22 दिसंबर को पहली बार नागल्ली हिल्स कॉन्सर्ट एरीना (पणजी, गोवा) में एक साथ प्रस्तुति देंगी। इसके अलावा, 17 दिसंबर को ब्लैक स्ट्रैट ब्लूज़ के वॉरेन मेंडोंसा और थर्मल एंड अ क्वार्टर रॉक बैंड अपनी ऊर्जावान संगीत प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे।
15 से 22 दिसंबर तक गोवा में आयोजित हो रहे इस नौवें संस्करण में 1800 से अधिक कलाकारों की भागीदारी के साथ परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा।

पूर्व मुख्य मंत्री गहलोत ने बांग्लादेश में अल्प संख्यकों पर हो रहे हमलों पर चिंता जताई

चमकता राजस्थान। जयपुर 17 दिसंबर । पूर्व मुख्य मंत्री अशोक गहलोत ने विजय दिवस के अवसर पर सोमवार को बांग्लादेश में भारत विरोधी नारे लगने का विरोध करते हुए श्योशल एक्स पर लिखा कि पूर्व प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी के मजबूत नेतृत्व में बांग्लादेश को आजादी भारत ने दिलवाई और भारत के साथ बांग्लादेश के अच्छे संबंध रहे परन्तु दोनों देशों के संबंधों में ऐसी कटुता आना बेहद चिंताजनक है। उन्होंने लिखा की बांग्लादेश के साथ भारत के व्यापारिक रिश्ते भी हैं। उत्तर पूर्व के राज्यों का तो रोजमर्रा का व्यापार तक बांग्लादेश के साथ चलता है जो अभी रुक गया है।
पूर्व मुख्य मंत्री ने लिखा कि बांग्लादेश के आशुपुर में 1971 के युद्ध में योगदान देने वाले भारतीय सैनिकों की याद में बन रहे मेमोरियल का काम भी बंद है। वहां हिन्दू अल्पसंख्यकों पर लगातार अत्याचार हो रहा है लेकिन भारत सरकार का इस विषय में अभी तक कोई पक्ष सार्वजनिक तौर पर सामने नहीं आया है।
उन्होंने लिखा कि यह भी विचारणीय है कि बांग्लादेश युद्ध विजय के बाद अटल बिहारी वाजपेयी ने श्रीमती इन्दिरा गांधी को दुर्गा कहा था परन्तु सोमवार को विजय दिवस के अवसर पर भारत सरकार ने बड़े पैमाने पर कोई आयोजन देशभर में नहीं रखा गया। यह ओछी मानसिकता को दर्शाता है उन्होंने लिखा कि बांग्लादेश युद्ध में भारतीय सेना ने 90,000 से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों का समर्पण करवाया था जो इतिहास की एक बड़ी घटना है। क्या यह हम सब की जिम्मेदारी नहीं है कि नई पीढ़ी तक इतनी बड़ी ऐतिहासिक घटना को बताया जाए और इस विजय का जश्न मनाया जाए।
गहलोत ने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बांग्लादेश में बढ़ रहे भारत विरोधी माहौल और हिन्दू अल्पसंख्यकों के प्रति हिंसा पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। भारत सरकार को कूटनीतिक चैनलों से सुनिश्चित करना चाहिए कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को ऐसी घटनाओं के बारे में सख्ती बरते जिससे दोनों देशों के बीच रिश्ते पहले जैसे हो सकें।

प्रधानमंत्री मोदी ने किया ईआरसीपी परियोजना का शिलान्यास, भारतीय किसान संघ ने बताया ऐतिहासिक फैसला

चमकता राजस्थान

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को जयपुर में पार्वती-कालिसिंध-चंबल-ईआरसीपी (पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना) का शिलान्यास किया। भारतीय किसान संघ ने इस कदम का स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक फैसला करार दिया है। किसान संघ के जयपुर प्रांत अध्यक्ष कालूराम बाँगड़ा,महामंत्री डॉ. सावरमल सोलेट ने कहा कि इस परियोजना से राजस्थान के कई जिलों को पानी मिलेगा और सिंचाई के संसाधन बेहतर होंगे। प्रांत सह प्रचार प्रमुख डॉ. लोकेश कुमार चंदेल ने बताया कि ईआरसीपी के माध्यम से किसानों की लंबे समय से चली आ रही पानी की समस्या का समाधान होगा । किसान संघ इस माँग को लेकर लगातार संघर्ष कर रहा था। इससे प्रदेश के विकास को गति मिलेगी। परियोजना के तहत पार्वती, कालिसिंध और चंबल नदियों को जोड़ा जाएगा, जिससे राजस्थान के 21 जिलों को पेयजल और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया जा सकेगा। भजनलाल सरकार के एक वर्ष पूरा होने के कार्यक्रम के दौरान पहली बार राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच परियोजना के समझौते को सार्वजनिक किया गया। इससे दोनों राज्यों में जल प्रबंधन को नई दिशा मिलेगी और किसानों की आय में वृद्धि होगी।

स्वंय सेवको ने लगाये हजारो प्रहार

राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ ने मनाया प्रहारविजय दिवस

चमकता राजस्थान

फुलेरा(दामोदर कुमावत)। कस्बे के रामलीला ग्राउंड पर बितीरात सैकडो राष्ट्रीय स्वंयसेवको ने विजयदिवस मनाकर दण्ड से हजारो प्रहार लगाये।संघ के खण्ड कार्यवाह ने अपने बोद्दिक मे बताया कि सन 1971 मेंभारत-पाकिस्तान तीसरा युद्ध था। इससे पहले के दोनो युद्धो में भी भारत की जीतहुई थी,किंतुतीसरेयुद्ध में भारत की ऐतिहासिक जीत हुई थी.।यह युद्ध न सिर्फ भारत बल्कि विश्व में एक ऐतिहासिक युद्ध बना, 16 दिसंबर 1971 को 93 ,000 सशस्त्र पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय जवानो के आगे घुटने के बल बैठकर प्राण दान मांगते हुए सशस्त्र आत्मसमर्पण किया और आत्मसमर्पण के पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस युद्ध में पाकिस्तान दो दे-शों में बट गया था।इस ऐतिहासिक युद्ध में कई भारतीय वीर जवानों नेअपनी प्राणों की आहुति दी और वीरगति को प्राप्त हुए। इस ऐतिहासिक जीत और वीर जवानों की शहादत को ₹गौरवशाली विजय शौर्य दिवस₹ पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 16 दिसंबर को ₹प्रहार दिवस₹ 'प्रहार महायज्ञ' के रूप में मनाया गया। और इस प्रहार महायज्ञ के दिन प्रत्येक शाखा पर प्रत्येक स्वयंसेवक 1 घंटे लगातार अधिक से अधिक प्रहार लगाकर प्रहार रूपी आहुति देता है। और अपनी शारीरिक क्षमता एवं दक्षता का प्रदर्शन कर वीर शहीद जवानों को आश्वस्त करता हैं कि आप हमें जो राष्ट्र सौंपकर गए है उसकी सुरक्षा के लिए हम अपनी बाजुओं में इन प्रहारों से ताकत भर रहे है.गोरतलब है कि बॉर्डर पर - 40 डिग्री (माइनस) में भी हमारा वीर जवान खड़ा रहकर अपने प्राणों की परवाह न करके देश की रक्षा करता है तो हम एक दिन प्रातः 12 डिग्री में प्रहार नहीं लगा सकते क्या.।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929